समाज विकास

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का मुखपत्र

• जुलाई २०२१ • वर्ष ७२ • अंक ०७

मूल्य : ₹ १० प्रति, वार्षिक ₹ १००

३० जुलाई २०२१; राजभवन, राँची : अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया ने झारखंड के महामहिम राज्यपाल श्री रमेश बैस से सम्मेलन के प्रतिनिधिमंडल के साथ शिष्टाचार भेंट की। प्रतिनिधिमंडल में श्री गाड़ोदिया के साथ न्यायमूर्ति श्री रमेश मेरठिया (सेवानिवृत न्यायाधीश, झारखंड उच्च न्यायालय), सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री विनय सरावगी, झारखंड सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष श्री राजकुमार केडिया एवं सम्मेलन के राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री बसंत मित्तल शामिल थे। श्री गाड़ोदिया ने महामहिम का स्वागत करते हुए आशा व्यक्त की कि उनके मार्गदर्शन में झारखण्ड की लोकप्रिय सरकार प्रदेश के चतुर्दिक विकास हेतु तीव्र गति से कार्य करेगी। प्रतिनिधिमंडल ने सम्मेलन की पृष्ठभूमि और गतिविधियों के विषय में राज्यपाल को बताया। राज्यपाल श्री बैस ने सम्मेलन के जनहितकारी सेवाकार्यों, विशेषकर कोरोना-पीड़ितों के सहयोग हेतु कार्यक्रमों, की प्रशंसा की।

इस अंक में :

रपट

राष्ट्रीय स्थायी समिति की बैठक; तारकेश्वर में अन्नपूर्णा रसोई का शुभारम्भ; वेबिनार: आयुर्वेद की विशेषताएँ; लोकसभाध्यक्ष श्री ओम बिरला द्वारा डॉ. श्याम सुन्दर हरलालका लिखित पुस्तक 'असम की मारवाड़ी जाति का इतिहास' का दिल्ली में विमोचन।

अध्यक्षीय

संयुक्त परिवार की सार्थकता

सम्पादकीय

सुख-दुःख : एक सिक्के के दो पहलू

प्रादेशिक समाचार

बिहार, झारखण्ड, दिल्ली, पूर्वोत्तर, कर्नाटक, उत्कल एवं पश्चिम बंगाल।

S R RUNGTA GROUP
R
Rungta Mines Limited
Chaibasa
RUNGTA STEEL™
SOLID STEEL
• Superior Technology
• Greater Strength
• Extreme Flexibility
500D
TMT REBARS
STEEL DIVISION
RUNGTA CHAMBERS
S.M.H.M.V. COMPLEX, CHAIBASA -833201
WEST SINGHBHUM, JHARKHAND, INDIA
Contact :
+91-6582-255261/ 361
+91-7008-012240
tmtmkt@rungtamines.com
csp@rungtamines.com
Approved by IS 1786:2008
ISI
Lic.No.-CM/L 5800021706
Approved by IS 2830:2012
ISI
Lic.No.-CM/L 5800007712

समाज विकास

◆ जुलाई २०२१ ◆ वर्ष ७२ ◆ अंक ०७
◆ एक प्रति - ₹१० ◆ वार्षिक - ₹१००

अनुक्रमणिका

शीर्षक	पृष्ठ संख्या
● **सम्पादकीय : शिव कुमार लोहिया**	४-५
सुख-दुख : एक सिक्के के दो पहलू	
● **अध्यक्षीय : गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया**	७
संयुक्त परिवार की सार्थकता	
● **रपट –**	
राष्ट्रीय स्थायी समिति की बैठक	८-९
तारकेश्वर में अन्नपूर्णा रसोई का शुभारम्भ	१०-११
वेबिनार : आयुर्वेद की विशेषताएँ	१२
● प्रादेशिक समाचार	१७-२१
● **देव-स्तुति : डॉ. जुगल किशोर सर्राफ**	२२
● सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत	२३-२६

स्वत्वाधिकारी

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
All India Marwari Federation

प्रशासनिक एवं सम्पर्क कार्यालय : **४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता - ७०००१७**
फोन : ०३३-४००४ ४०८९

पंजीकृत कार्यालय : १५२बी (द्वितीय तल), महात्मा गांधी रोड कोलकाता - ७००००७

◆ email: aimf1935@gmail.com
◆ Website : www.marwarisammelan.com

स्वत्वाधिकारी ऑल इण्डिया मारवाड़ी फेडरेशन के लिये **श्री भानीराम सुरेका** द्वारा ऑल इण्डिया मारवाड़ी फेडरेशन, ४बी, डकबैक हाउस (४ तल्ला), कोलकाता-१७ से प्रकाशित तथा सी.डी.सी. प्रिंटर्स प्रा. लि., ४५, राधानाथ चौधरी रोड, कोलकाता - ७०००१५ से मुद्रित।

◆ प्रेरक संपादक : सीताराम शर्मा ◆ सम्पादक : शिव कुमार लोहिया

प्रकाशित रचनाओं से सम्पादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
4बी, डकबैक हाउस (चौथा तल्ला)
41, शेक्सपियर सारणी, कोलकाता-700 017

समाज से सादर निवेदन

वैवाहिक अवसर पर मद्यपान करना - कराना धार्मिक एवं सामाजिक दोनों रूप से उचित नहीं है।

प्री-वेडिंग शूट
हमारी सभ्यता एवं संस्कृति के खिलाफ है।

समाजहित में इनसे परहेज करें।

निमंत्रण में ई-कार्ड को बढ़ावा दें।

समाचार सार

समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचना हमारा लक्ष्य : ओमप्रकाश अग्रवाल

गत ३१ जुलाई २०२१ को झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री ओमप्रकाश अग्रवाल** ने वरिष्ठ प्रांतीय पदाधिकारियों के साथ धनबाद एवं बोकारो जिलों का संगठनात्मक दौरा किया। दौरे के क्रम में दोनों जिलों की कार्यकारिणी समिति, सम्मेलन एवं समाज के सदस्यों के साथ प्रांतीय अध्यक्ष एवं पदाधिकारियों ने बैठकें की जिसमें सम्मेलन की गतिविधियों, विशेषकर कोरोना-राहत सेवाकार्यों, पर विचार-विमर्श हुआ।

बोकारो जिला मारवाड़ी सम्मेलन की बैठक में प्रांतीय अध्यक्ष श्री ओमप्रकाश अग्रवाल, निवर्तमान प्रांतीय अध्यक्ष श्री निर्मल कुमार कावरा, प्रांतीय उपाध्यक्षगण सर्वश्री विनोद जैन, उमेश शाह एवं अशोक भालोटिया, बोकारो जिला सम्मेलन के अध्यक्ष श्री शिवहरि बंका।

प्रांतीय अध्यक्ष श्री ओमप्रकाश अग्रवाल ने धनबाद एवं बोकारो जिला सम्मेलनों द्वारा कोरोना-राहत हेतु किए गए जनहितकारी सेवाकार्यों की प्रशंसा की एवं उन्हें सम्मानित किया। उन्होंने अपने सम्बोधन में संगठन-विस्तार को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया और कहा कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचना हमारा लक्ष्य होना चाहिए।

सुख-दुख : एक सिक्के के दो पहलू

कहा गया है कि सुख-दुख एक सिक्के के ही दो पहलू हैं। एक ही घटना से सुख-दुख पैदा होते हैं। सुख-दुख का संबंध अनुकूलता-प्रतिकूलता से होता है। गीता कहती है – **'शीतोष्णसुखदुखदाः'**। सुख-दुख शीतकाल एवं ग्रीष्मकाल की तरह है। जिस प्रकार प्राणी दोनों परिस्थितियों में स्वयं को ऋतु के अनुसार ढाल लेता है उसी प्रकार हमें सुख-दुख की परिस्थितियों के अनुसार स्वयं को ढाल लेना चाहिए। सृष्टि की व्यवस्था में सुख-दुख नहीं है। अपनी सोच के अनुसार हम सुख की खोज में अपना जीवन खपा देते हैं। सुख हमारी मूलभूत आवश्यकता नहीं है। इसकी आवश्यकता हमारी दिमाग की उपज मात्र है। अपनी सोच के कारण हम स्वयं को दुखी मान बैठते हैं एवं सुख पाने और सुखी होने का प्रयास करते रहते हैं।

मनुष्य के जीवन में दो प्रकार के दुख होते हैं, एक तो है कि जीवन की अभिलाषा पूरी नहीं हुई, दूसरी है कि पूरी हो गई। सुख की खोज में मनुष्य मकान बदलता है, वस्त्र बदलता है, संबंध बदलता है फिर भी दुखी रहता है क्योंकि वह अपनी सोच एवं स्वाभाव नहीं बदलता। **गुरु नानक ने शायद यही सब देखते हुए कहा होगा कि 'नानक दुखिया सब संसार'**। इस संसार में सभी दुखी हैं। गीता में भी संसार को दुखालय की संज्ञा दी गई है। हमारे संतों ने कहा है : **या दिन ते जीव जनमिया कबहु ना पावा सुख, डाले-डाले मैं फरा पाते-पाते दुख। इस संसार को गौतम बुद्ध ने सर्वम दुखम कहा है। संत बिनोवा भावे ने अपने अनुभव बताते हुए कहा कि वह मूर्खों में भी भारी मूर्ख है जो मानता है कि संसार में सुख है। मुझे तो जो मिला दुख की कहानी सुनाता ही मिला।** इसी परिस्थिति का वर्णन करते हुए किसी शायर ने कहा है:

दर्द मुझको ढूंढ लेता है रोज नए बहाने से
कि हो गया है वाकिफ वो मेरे हर ठिकाने से

पतंजलि योग सूत्र में कहा गया है कि हर एक घटना कुछ ना कुछ दुख देती है। चाहे कितनी भी सुखदायक घटना हो, उसको समाप्त होना ही है। आनंददायक घटना की समाप्ति भी अंदर एक चुभन पैदा करती है, दुखी बनाती है – जितना अधिक सुख या आनंद होगा, उतना अधिक दुख एवं पीड़ा। हमें परिणाम से दुख मिलता है, अर्थात घटना की परिणति दुख देती है। किसी सुखकारी घटना के लिए लालसापूर्वक प्रतीक्षा करना भी पीड़ादायक है। ऐसी सुखकारी घटना की याद हमेशा दुख देती है। आने के बाद अथवा उसको खो देने का भय भी दुखदायी होता है और खो देने पर पहले की याद दुखी कर देती है। मनुष्य-जीवन में इसके अलावा जन्म, मृत्यु, जरा, व्याधि का दुख तो रहता ही है। शरीर प्राप्त करने पर यह हमारे जीवन के अभिन्न अंग बन जाते हैं। अगर सुख की चाहना करते हैं तो यह चाहना भी हमें दुख प्रदान करती हैं। सुख एक तितली के समान है। इसे हम अगर पकड़ना चाहेंगे तो यह दूर चली जाएगी। अगर शांत भाव में रहेंगे तो यह हमारे कंधे पर आकर बैठ जाएगी।

हम स्वयं ही अपनी कामना एवं सोच के कारण दुखी रहते हैं। **महात्मा बुद्ध ने कहा था अपनी दुर्दशा के लिए दूसरों को उत्तरदायी ठहराने से यह पता चलता है कि व्यक्ति में सुधार की आवश्यकता है, स्वयं को दोषी ठहराने से यह पता चलता है कि सुधार आरंभ हो गया है और किसी को भी दोषी नहीं ठहराने का अर्थ है कि सुधार पूर्ण हो गया है**। मनुष्य के दुख के प्रमुख कारण – अपेक्षा एवं हमारी धारणाएँ। अपेक्षाएँ अपने चारों ओर धारणाओं की दीवार खड़ी कर देती हैं। हम समझते हैं कि हम जिस स्थिति में हैं उसमें दुख ही दुख है। दुख का निवारण हो या सुख की आकांक्षा, हम सुख की खोज में अपने इर्द-गिर्द के लोगों से नाना प्रकार की अपेक्षाएँ पाल लेते हैं।

हम सोचते हैं कि हमारे अपने हमें सुखी बनायेंगे, पर होता है उल्टा। जिससे सुख की आशा की जाती है, उसी से अधिक दुख मिलता है। जितना ज्यादा हम सुखी होने की कोशिश करते हैं उतना ही हम दुखी होते रहते हैं। अपार साधन के मध्य भी व्यक्ति तड़पते एवं दुखी नजर आते हैं। इन्हें अभाव का दुख नहीं है। कोई शारीरिक पीड़ा से दुखी है, कोई काम, क्रोध, ईर्ष्या, द्वेष, तृष्णा एवं एषणाओं से दुखी है। कोई अज्ञान के कारण दुख से पीड़ित है। पाए हुए में असंतोष एवं अधिक पाने की इच्छा से मनुष्य स्वयं को अलग कर सके तो वह अनेक दुखों से बच सकता है। हम यह सोचते हैं कि जो व्यक्ति धनी है, वह सुखी है। पर सच्चाई इसके विपरीत है। **किसी बुद्धिजीवी ने इस प्रकार की स्थिति पर व्यंग्य कसते हुए ठीक ही कहा था कि हे प्रभु, तुम्हारी लीला अपरंपार है। तुम गरीबों को उन महलों का ख्वाब दिखाते हो जिसमें रहने वाले को नींद नहीं आती**। सारी जिंदगी हम धन-संपत्ति जोड़ने में लगा देते हैं, फिर भी हम सुख से दूर रहते हैं। लियो टालस्टाय की प्रसिद्ध कहानी है। एक व्यक्ति के घर एक मेहमान आया। एक दिन उसने कहा तुम क्या छोटी-मोटी खेती करते हो। साइबेरिया में तो जमीन इतनी सस्ती है कि समझो मुफ्त में ही मिलती है। बड़ी जमीन में मनचाही फसल उगाओ। वहाँ के लोग सीधे-सादे हैं। करीब-करीब मुफ्त में ही जमीन दे देते हैं। उस आदमी के मन में लालसा जगी। वह सब कुछ बेच-बाच कर साइबेरिया पहुँच गया। बात सच निकली। वहाँ के जमींदार से मिलकर कहा मैं जमीन खरीदना चाहता हूँ। वह बोले – ठीक है जमीन खरीदने का जितना पैसा तुम्हारे पास है, उसे जमा करा दो। जमीन बेचने का हमारा तरीका है कि कल सुबह सूरज के निकलते ही चल पड़ो और सूरज के डूबने तक ठीक उसी जगह पर लौट आना जहाँ से चले थे।

बस यही शर्त है। जितनी जमीन तुम घेर लोगे उतनी तुम्हारी। वह आदमी रात भर सो न सका। रात भर अधिक से अधिक जमीन नापने की तरकीब सोचता रहा। सुबह का सूरज उगा। उसने भागना प्रारंभ किया। अपने साथ उसने पानी एवं रोटी ले ली थी। रुकना नहीं है, दौड़ते-दौड़ते सब कुछ कर लूँगा। सोचा, चलने की अपेक्षा दौड़ने से दुगनी जमीन ले पाऊँगा। वह बहुत तेज भागा। उसने सोचा कि १२ बजे लौट पड़ूँगा ताकि सूरज डूबते-डूबते पहुँच जाऊँ। १२ बजने पर उसने सोचा कि सामने और उपजाऊ जमीन है, और थोड़ा सा घेर लूँ। वापसी में तेज दौड़ लूँगा। एक दिन की ही तो बात है, फिर तो पूरी जिंदगी आराम से जीना है। उसने पानी भी नहीं पिया। खाया भी नहीं। उसने पानी, खाना, कोट, टोप सब उतार कर फेंक दिया। जितना हल्का हो सकता था हो गया। २ बजे तक आगे बढ़ता गया। शरीर जवाब दे रहा था। वह घबराकर लौट पड़ा। भागते-भागते उसका दम निकल रहा था। उसने आखिरी दम लगा दी। सूरज की आखिरी कोर क्षितिज पर रह गई वह घिसटने लगा। जब उसका हाथ उस जमीन के टुकड़े पर पहुँचा जहाँ से वह भागा था, वहाँ सूरज डूबा। पर वह आदमी मर गया। इतनी मेहनत से शायद दिल का दौरा पड़ गया। गाँव के लोग यह देखकर कहने लगे कि ऐसे पागल आदमी आते ही रहते हैं। अब तक ऐसा आदमी एक भी नहीं आया जो घेर कर जमीन का मालिक बन गया। उस गाँव के लोगों का यह जरिया था खाने-कमाने का। यह कहानी हम सबकी है।

जीने का समय किसी के पास नहीं है। पहले तिजोरी भर लें, इकट्ठा कर लें, फिर सुख से जी लेंगे। हम सभी लोगों की सोच यही है - थोड़ा और दौड़ लें। सोने का समय कहाँ है, बाद में सो लेंगे। अनादिकाल से मानव दुख से उठने और सुख के संधान में लगा हुआ है कि क्या हमने कभी विचार किया है कि हम जीना क्यों चाहते हैं? तमाम दुख, दर्द, विफलता और आघात-प्रतिघात सहकर भी मरने से क्यों डरते हैं। सुख के लिए हम नाना प्रकार के जतन करते हैं, फिर जीवन में सुख मिलता है। वह मिलता भी है, तो टिक नहीं पाता। दुख से बचने के लिये छटपटाते रहते हैं। **हम संपन्नता, शक्ति, यौवन, पद-अधिकारिता, विद्वता, यश, गुमान में सुख खोजते रहते हैं, पर यह हमें सुखी नहीं बना सकते**। कहा गया है : सुख तो मेहमान होता है, दुख अपना होता है। **भगवान बुद्ध ने कहा है** :

१. दुख है, मनुष्य दुखी है।

२. दुख होने का कारण है क्योंकि दुख अकारण नहीं होता।

३. दुख के कारणों को हटाया जा सकता है।

उनके अनुसार जीवन में दुख है, जीवन ही दुख है। वह कहते है जन्म दुख है, जवानी दुख है, मित्रता दुख है, प्रेम दुख है, रोग दुख है, संबंध दुख है। असफलता तो दुख है ही, सफलता भी दुख है। उनके अनुसार दुख पैदा करने के आयोजन छोड़ दो, आनंद तो अपने आप हो जाएगा क्योंकि आनंद तो मनुष्य का स्वभाव ही है। दुख न रहे तो आनंद स्वतः ही हो जाएगा। यह संसार हमारे आनंद के लिए है, प्रकृति की सुंदरता निहारने के लिए है। स्वादिष्ट भोजन स्वाद के लिए है। सारा संसार तुम्हारे आनंद के लिए है। तुम्हारे संबंधी, रिश्तेदार, मित्र सभी तुम्हारे आनंद के लिए हैं। आनंद लेते समय स्वयं को मत भूलो। तुम इन सब से पृथक हो। सुख प्राप्त करने का सरल तरीका रामायण में बताया गया है :

बैर न बिग्रह आस न त्रासा। सुखमय ताहि सदा सब आसा।।
अनारंभ अनिकेत अमानी। अनघ अरोष दच्छ बिग्यानी।।

भावार्थ : जो न किसी से वैर करे, न लड़ाई-झगड़ा करे, न आशा रखे, न भय ही करे, उसके लिए सभी दिशाएँ सदा सुखमयी हैं। जो कोई भी आरंभ (फल की इच्छा से कर्म) नहीं करता, जिसका कोई अपना घर नहीं है (जिसकी घर में ममता नहीं है), जो मानहीन, पापहीन और क्रोधहीन है, जो (भक्ति करने में) निपुण और विज्ञानवान् है।

जिस प्रकार पैरों में जूते पहनकर चलने वालो को काँटों-कंकड़ों का भय नहीं होता, उसी प्रकार जिसके मन में संतोष है, उसके लिए सदैव-सर्वदा सुख ही सुख है। **हमारे सुख-दुख का कारण हमारे अंदर है – कोई रोवै महले में, वन में गावै कोई।**

संसार में सब कुछ होते हुए भी मनुष्य के दुख का कारण है कि मनुष्य बाहर की ओर दौड़ता है। '**आकाशं च पदं नत्थि, समणो नत्थि बाहरे**' – आकाश में पथ नहीं होता और जो बाहर की ओर दौड़ता है उसे ज्ञान (सुख) नहीं मिलता। मनु-स्मृति में भी कहा गया है कि जो कार्य तुम्हारे वश में नहीं होता है, वह सदैव मनुष्य को दुख प्रदान करता है और जो कार्य अपने वश में या नियंत्रण में होता है, वह सदैव सुख देने वाला होता है। **आदि शंकराचार्य ने कहा कि इस सत्य ज्ञान की स्थायी अनुभूति ही मोक्षावस्था है कि आत्मा देह से परे, शरीर मन-बुद्धि से विलग, स्वभाव से मुक्त, नित्य एवं अविकल्पी है; जिस व्यक्ति को यह ज्ञान नहीं वह व्यक्ति सब कुछ होते हुए भी 'दरिद्र' की तरह जीवन-यापन करेगा**। ऐसे व्यक्ति के लिए ही कहा गया है – **नहीं दरिद्र सम दुख जग माही, संत मिलन सम सुख जग नाही**। कोई संत मिल जाय एवं उसे ज्ञान दे दे तो वह सुखी हो जायेगा।

गीता में भी निष्काम कर्म करने के लिए कहा गया है। हानि-लाभ, जय-पराजय, यश-अपयश की चिंता किए बिना, कर्मफल में अनासक्त भाव से कर्म करने से दुख से दूर रहा जा सकता है। श्रीकृष्ण कहते हैं जो भी कर्म करो, मुझे अर्पण करो, मेरे भक्त बनो, मेरी शरण में आओ। रामायण में भी कहा गया है – **यह संसार दुखों की खानी, तब बचिहों जब रामहि जानि**। ईश्वर सुखपुंज हैं, सत-चित-आनंद-स्वरूप हैं। उनके शरणागत भाव में रहने से मनुष्य ईर्ष्या, काम, क्रोध, मोह, अहंकार, घृणा आदि विकारों से स्वयं ही मुक्त रहता है।

हमें यह समझना होगा कि इस संसार में हम आते हैं दूसरों का हित करने के लिए, उसी में हमारा हित निहित है। उसी में हमारा सुख छुपा हुआ है। दूसरों को दुख एवं कष्ट देकर हम कभी भी सुखी नहीं रह सकते। उसी से हमारे दुख का निवारण होगा। आइए, हम दूसरों को सुखी बनायें एवं स्वयं भी सुखी रहें।

शिव कुमार लोहिया

Kanoria Foundation
WORK WITH DEVOTION

HAPPINESS COMES IN MANY COLOURS. FIND YOURS IN THE Happy Rainbow Box.

Together We Make Tomorrow Happen

Srei, since three decades, has been in the business of financing infrastructure, developing projects and empowering entrepreneurs. Our Happy Rainbow Box is a collection of such happy and optimistic thoughts that have the potential to change the world for the better.

Infrastructure Project & Equipment Finance | Medical, IT, Agriculture & Mining Equipment Finance | Infrastructure Project Advisory, Development & Investments | Investment Banking | Insurance Broking

Log on to www.happyrainbowbox.com and #SpreadTheHappy

L&K | SAATCHI & SAATCHI

अध्यक्षीय

संयुक्त परिवार की सार्थकता

– गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया

स्नेही-सुधी समाजबंधु,

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के बृहत्तर परिवार के सभी सदस्यों के स्वास्थ्य, प्रसन्नता एवं सम्पन्नता की अशेष मंगलकामनायें! गत सप्ताहों में, कुछ राज्यों को छोड़कर, पूरे देश में कोरोना की स्थिति में सुधार आया है और ईश्वर से प्रार्थना है कि यथाशीघ्र इस त्रासदी से मानवता को छुटकारा दिलायें।

पिछले कुछ समय में अनेकानेक प्राकृतिक आपदाएँ यथा अकाल, बाढ़, बवंडर, भूकंप, हिमस्खलन, जंगल-ज्वाला, ज्वालामुखी-विस्फोट, महामारी, जीवाणु-विषाणु-जनित बीमारियाँ, आदि, घटित हुई हैं। जल-थल-नभ में दुर्घटनाएँ भी अक्सर होती रहती है। इन सब में जान-माल की हानि वृहद् पैमाने पर होती है। यह युद्ध की विभीषिका से कम नहीं है। राष्ट्र का एवं परिवारों का आर्थिक संतुलन सब अस्त-व्यस्त हो जाता है। बच्चे अनाथ हो जाते हैं। उनकी परवरिश अब कौन करें। कुछ दिनों पहले अखबार में लखनऊ की एक घटना पढ़ी। माँ-बाप दोनों का कोरोना से निधन हो गया। दो बच्चे हैं, एक सात साल का और एक तेरह साल का। सात साल का बच्चा दादी की गोद में लेटा हुआ है और रो-रोकर पूछता है कि माँ कब आएगी। स्कूल गई है, यह बोलकर तसल्ली दिलाते हैं। शिक्षामित्र थी। दादी कैंसर की मरीज है। दादा की उम्र ७१ वर्ष है, एक प्राइवेट फर्म में सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करते हैं। तेरह साल वाला बच्चा कुछ समझता है, पर बोलता नहीं। दादा जी बोलते हैं कि छोटे बच्चे को मैं माँ कहाँ से लाकर दूँ। इस तरह के और इससे भी अधिक दर्दनाक अनेकों उदाहरण कोरोनाकाल में मिल जायेंगे।

जब कोरोना या अन्य किसी कारण से अनाथ हुए बच्चों के विषय में सोचते हैं तो हठात् मानस-पटल पर एक बात कौंधती है कि इस प्रकार की समस्याओं का समाधान संयुक्त परिवार की हमारी सनातन व्यवस्था में सहज उपलब्ध था। बालक-बालिका, माता-पिता, दादा-दादी, ताऊ-ताई, चाचा-चाची, बुआ और इन सबके अपने-चचेरे भाई-बहन, न जाने कितने सम्बधी एक छत के नीचे रहते थे और पूरे कुनबे के लिए एक ही चूल्हा जलता था। अगर किसी एक पर कोई विपदा आती थी तो उसका सामना पूरा खानदान मिलकर करता था – 'अनाथ' जैसे शब्द का तो कोई अस्तित्व ही नहीं था। बल्कि ऐसे बच्चों के पीछे पूरा परिवार, और परिणामतः समाज भी, खड़ा हो जाता था। अगर इन्हें कोई अनाथ कह कर सम्बोधित कर दे, तो तत्काल प्रखर विरोध होता था।

संयुक्त परिवार के सदस्यों को बच्चों में अच्छे संस्कार, परिवार में अनुशासन एवं नियंत्रण, आपसी समायोजन, बुजुर्गों का मार्गदर्शन आर्थिक एवं भावनात्मक सहयोग, सदस्यों में श्रम-विभाजन, उत्सवों-त्यौहारों का द्विगुणित आनंद, विकट परिस्थितियाँ में एकजुटता, सामाजिक सुरक्षा, आदि, जैसे अमूल्य उपादान स्वतःप्राप्त थे। संयुक्त परिवार हमारी पहचान, शक्ति-सामर्थ्य तथा सामाजिक सुरक्षा का प्रतीक माना जाता था।

संयुक्त परिवारों के निशान अब मिटते चले जा रहे हैं। संयुक्त परिवार ने सूक्ष्म परिवार का स्वरूप ले लिया है। संयुक्त से एकल हुए और अब सूक्ष्म हो गए हैं - माँ-बाप और एक बच्चा। दादा-दादी अगर हैं तो वृद्धाश्रम में। माँ-बाप दोनों नौकरी करते हैं। बच्चा दाई के सहारे पलता है या फिर डे बोर्डिंग में। त्रासदी में ऐसे परिवारों की क्या स्थिति होगी? एकल परिवार में दादा-दादी रहते हैं, संयुक्त परिवार में दादा-दादी, चाचा-चाची, ताऊ-ताई, आदि, सभी एक साथ रहते हैं। ऐसी त्रासदी में संयुक्त परिवार सहारा बनते हैं. परंतु संयुक्त परिवार तो आज विलुप्ति के कगार पर हैं। सर्वसुविधासम्पन्न ढंग से पाले गए बच्चे आज अनाथ हो जा रहे हैं।

इसका विकल्प आखिर क्या है। एकमात्र विकल्प है संयुक्त परिवार जहाँ ऐसे बच्चों को परिवार जैसा वातावरण एवं प्यार मिलता है। हमें संयुक्त परिवार के विषय में जागरूकता लानी होगी। बच्चों को शुरू से ही संयुक्त परिवार के फायदों के बारे में बताना होगा। लड़कियों को विशेष शिक्षा देनी होगी कि शादी के बाद संयुक्त परिवार को तोड़े नहीं बल्कि इसको बनाकर रखने में अपना सहयोग दें। सबको कुछ न कुछ त्याग करना पड़ता है। त्याग ही संयुक्त परिवार की नींव है। हमें यह भी मंथन करना चाहिए कि आखिर संयुक्त परिवार टूटे क्यों। संयुक्त परिवार की व्यवस्था में अगर कुछ खामियाँ हैं तो उन्हें हमें दूर करना चाहिए। संयुक्त परिवार का संचालन कैसे हो, इस विषय पर समाज को सम्मेलन के बैनर तले चिंतन करना चाहिए और एक रूपरेखा निर्धारित करनी चाहिए। मापदंड तय किये जाने चाहिए, ताकि सब मिल-जुल कर, एकजुट होकर रह सके।

संयुक्त परिवार में सदस्यों की आमदनी में अंतर होता है। ज्यादा आमदनी वाला अपना रोब हरदम जमाते रहता है जो दूसरों को चुभता है, खासकर महिलाएँ मुख्य नायिकाएँ रहती हैं। यह संयुक्त परिवार के टूटने का एक प्रमुख कारण बनता है। लड़कियों का पीहर के प्रति अधिक मोह दूसरा कारण बनता है। सदस्यों का एक-दूसरे से अपनी आमदनी छिपाना तथा अपनी व्यक्तिगत पूँजी इकट्ठा करना भी एक कारण रहा है। परिवार की स्त्रियों की आपसी ईर्ष्या भी आग में घी देने का काम करती रही है। पुरुषों का भी यह दायित्व बनता है कि वे अपनी पत्नियों के मन में यह विश्वास पैदा करें कि मेरे माता-पिता तथा परिवार के अन्य सदस्य अब तुम्हारा परिवार हैं, और इसी प्रकार तुम्हारे माता-पता तथा परिवार के अन्य सदस्य अब मेरे परिवार के अंग हैं। यह विश्वास आपसी स्नेह को अंकुरित करेगा।

संयुक्त परिवार की अवधारणा को समझने और इसकी पुनर्स्थापना के लिए समाजबंधुओं को इसकी महता के प्रति जागरूक करना होगा। राष्ट्र-स्तर पर सम्मेलन की सभी शाखाओं, अन्य सहयोगी सामाजिक संस्थाओं और अधिकाधिक संख्या में समाज की महिलाओं, युवक-युवतियों, किशोर-किशोरियों सहित समाज के सभी तबकों को साथ लेकर इस हेतु सभाओं-गोष्ठियों का आयोजन करना होगा।

अखिल भारतीय स्तर पर सभी शाखाओं से अनुरोध किया गया है कि ऐसे अनाथ हुए बच्चों का डाटाबेस तैयार करें तथा उनकी हर संभव सहायता करें ताकि ऐसे बच्चे अपनी पढ़ाई-लिखाई एवं जीवन-यापन सही ढंग से कर सकें। केन्द्र और राज्य सरकारों द्वारा भी कोरोना के कारण अनाथ हुए बच्चों के लिए योजनाएँ घोषित की गई हैं। हमें तत्परता से प्रयास करना होगा कि समाज के अनाथ बच्चों तक इन योजनाओं के लाभ पहुँच सकें।

जय समाज, जय राष्ट्र!

कोरोना–राहत सेवाकार्यों में सहयोग हमारा नैतिक दायित्व और समय की आवश्यकता : गोवर्धन गाड़ोदिया

'आज सम्पूर्ण विश्व कोरोना महामारी के चपेट में है और जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। इन प्रतिकूल परिस्थितियों में कोरोना–पीड़ितों की सेवा हेतु मिल-जुलकर यथासम्भव योगदान करना समय की माँग है और हमारा नैतिक दायित्व भी। समाज और राष्ट्र की सेवा में समर्पण मारवाड़ी समाज की परम्परा रही है और प्रसन्नता की बात है कि पूरे देश में सम्मेलन की शाखायें आज तन-मन-धन से संसाधनहीन लोगों की सेवा में लगी हुई हैं।' ये विचार अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया** ने गत २५ जुलाई २०२१ को वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से आयोजित सम्मेलन की राष्ट्रीय स्थायी समिति की बैठक में व्यक्त किए।

बैठक में श्री गाड़ोदिया ने सर्वप्रथम सबका स्वागत किया और कहा कि यह सुखद संयोग है कि आज पवित्र श्रावण मास का प्रथम दिवस है। उन्होंने कहा कि कोरोनाजनित कारणों से जीवन के हर क्षेत्र में बदलाव आया है, परिस्थितियाँ अनुकूल नहीं हैं; तथापि हमें सम्मेलन के गतिविधियों की गति यथासम्भव बनाये रखनी है।

सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री **श्री संजय कुमार हरलालका** ने गत बैठक (०४ जुलाई २०२०; राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति के साथ संयुक्त रूप से आयोजित) की कार्यवाही प्रस्तुत की जो सर्वसम्मति से पारित हुई। गत बैठक के बाद की सम्मेलन की गतिविधियों पर 'महामंत्री की रपट' प्रस्तुत करते हुए श्री हरलालका ने बताया कि वर्तमान समय में सम्मेलन के कार्यकलाप मुख्यतः कोरोना-राहत सेवाकार्यों पर केन्द्रित हैं। उन्होंने इन सेवाकार्यों का संक्षिप्त विवरण भी प्रस्तुत किया।

बैठक को सम्बोधित करते हुए सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उच्च शिक्षा उपसमिति के चेयरमैन **डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया** ने संसाधनहीन और मेधावी छात्र-छात्राओं की उच्च शिक्षा हेतु सम्मेलन के द्वारा दिए जा रहे अनुदानों का संक्षिप्त विवरण दिया। उन्होंने कहा कि उद्योग-व्यापार, खासकर छोटे व्यापारियों, की स्थिति अभी चिंतनीय है और सभी को सम्हलकर चलना चाहिए।

वित्तीय उपसमिति के चेयरमैन **श्री आत्माराम सोन्थलिया** ने बताया कि वित्तीय वर्ष २०२०-२१ के आय-व्यय का लेखा-जोखा, संतुलन पत्र, आदि, लगभग तैयार हैं और इनके फाइनल होते ही वार्षिक साधारण सभा के आयोजन हेतु आवश्यक कदम उठाये जायेंगे। उन्होंने हर्ष व्यक्त करते हुए बताया कि संयुक्त राष्ट्रीय महामंत्री **श्री गोपाल अग्रवाल** और कोषाध्यक्ष **श्री दामोदर प्रसाद बिदावतका** के सक्रिय प्रयासों से दीर्घकाल से लम्बित आयकर का रिफंड प्राप्त हुआ है। उपस्थित सदस्यों ने करतल-ध्वनि ने इन्हें धन्यवाद दिया।

संस्कार-संस्कृति चेतना उपसमिति के चेयनमैन **श्री प्रह्लाद राय गोयनका** ने कहा कि अपनी भाषा तथा संस्कार-संस्कृति के सम्बंध में अपनी भावी पीढ़ी को जागरूक रखने की आवश्यकता है। इस हेतु समय-समय पर प्रासंगिक सामाजिक-सांस्कृतिक विषयों पर कार्यक्रम आयोजित करने की उपसमिति की योजना है। उन्होंने बताया कि आगामी हरियाली तीज के अवसर पर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम से हम इस योजना की शुरूआत करेंगे। कुछ सम्बंधित पुस्तकों के प्रकाशन का भी विचार है ताकि हम राजस्थानी भाषा को विद्यालयों तक ले जा सकें।

विधि-न्यायिक उपसमिति के चेयरमैन एडवोकेट **श्री नंदलाल सिंघानिया** ने पारिवारिक–आपसी विवादों का सामाजिक स्तर पर ही समाधान कर लेने की महत्ता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि जहाँ तक हो सके, हमें न्यायालयों और कानूनी झगड़ों से बचना चाहिए। उन्होंने सलाह दी कि प्रांतीय स्तर पर भी इस प्रकार की समितियों–पंचायतों का गठन किया जाए।

सेमिनार एवं समाज विकास उपसमितियों के चेयरमैन **श्री शिव कुमार लोहिया** ने कहा कि कोरोना महामारी के आलोक में गत लगभग डेढ़ साल में कई प्रासंगिक और ज्ञानप्रद गोष्टियाँ जूम ऐप के माध्यम से आयोजित की गई हैं और प्रयास रहेगा कि आगे भी ऐसी गोष्टियाँ आयोजित की जायें जिनसे समाजबंधु लाभान्वित होते रहें। समाज विकास के विषय में बताते हुए उन्होंने कहा कि कोरोनाजनित कारणों से गत कुछ महीनों से समाज विकास का प्रकाशन समयानुसार नहीं हो सका है। श्री लोहिया ने कहा कि सभी लम्बित अंकों के शीघ्र प्रकाशन हेतु तत्परता से प्रयास किया जा रहा है और आशा है कि शीघ्र ही इसे नियमित कर लेंगे।

निर्देशिका (डायरेक्ट्री) उपसमिति के चेयरमैन **श्री ओमप्रकाश अग्रवाल** ने कहा कि शीघ्र ही वर्तमान सत्र की निर्देशिका के प्रकाशन हेतु कार्य प्रारम्भ किया जाएगा। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया ने सलाह दी कि शुद्धता, विशेषकर दिवंगत समाजबंधुओं का नाम निर्देशिका से हटाने, पर ध्यान रखा जाए।

स्वास्थ्य उपसमिति के चेयरमैन **श्री पवन जालान** ने बताया कि वर्तमान परिस्थितियों के आलोक में मुख्यतः टीकाकरण के क्षेत्र में कार्य किया जा रहा है। एस.वी.एस. अस्पताल, अम्हर्स्ट स्ट्रीट, कोलकाता के सहयोग से प्रतिदिन दो घंटों तक टीकाकरण एक माह तक किया गया, अच्छी संख्या में समाजबंधुओं ने इसका लाभ उठाया। कोरोना से सम्बंधिक ज्ञानवर्धक गोष्ठियों के आयोजन के लिए उन्होंने सेमिनार उपसमिति के चेयरमैन **श्री शिव कुमार लोहिया** का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंग सरकार की स्वास्थ्य साथी योजना का लाभ उठाने

के लिए काउंटर और सदस्यों के लिए हेल्थ-कार्ड बनाने के विषय में भी विचार चल रहा है।

राष्ट्रीय उपाध्यक्षों **सर्वश्री अशोक जालान, डॉ. श्याम सुन्दर हरलालका** एवं **विजय कुमार लोहिया** ने अपने प्रभार के प्रांतों में किए जा रहे सेवाकार्यों के विषय में बताया। सर्वश्री अमित मूंधड़ा, सुरेश अग्रवाल, एवं प्रमोद गोयनका ने भी अपने संक्षिप्त विचार रखे।

धन्यवाद–ज्ञापन करते हुए राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री पवन कुमार गोयनका** ने कहा कि सम्मेलन के क्रियाकलापों में उपसमितियों की बड़ी भूमिका है। उन्होंने वर्तमान परिस्थितियों के आलोक में कोरोना-टीकाकरण एवं सम्बंधित चिकित्सा-सहायता के महत्व पर बल दिया। बैठक में सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री भानीराम सुरेका, संयुक्त महामंत्री श्री सुदेश अग्रवाल, संगठन मंत्री श्री बसंत कुमार मित्तल, कोषाध्यक्ष श्री दामोदर बिदावतका, सर्वश्री अरुण प्रकाश मल्लावत, विनोद जैन, पवन बंसल, अनिल अग्रवाल, रंजीत डालमिया, राजेश पोद्दार, बिनोद बियाणी, काशी प्रसाद थेलिया आदि उपस्थित थे।

समाचार सार

पश्चिम बंग सम्मेलन की सिलीगुड़ी शाखा द्वारा गत १० जुलाई २०२१ को स्थानीय सिद्धि विनायक बैंक्वेट हॉल में आयोजित नागरिक सम्मान अभिनंदन समारोह में विधायक सह चेयरमैन, पश्चिम बंगाल हिन्दी अकादमी श्री विवेक गुप्त एवं सिलीगुड़ी नगर निगम प्रशासनिक बोर्ड के चेयरमैन श्री गौतम देव को सम्मानित किया गया। समारोह में सिलीगुड़ी सम्मेलन के शाखाध्यक्ष श्री विष्णु केड़िया, संजय शर्मा, मुन्ना प्रसाद आदि उपस्थित थे।

मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा तारकेश्वर में निःशुल्क भोजन वितरण प्रकल्प का शुभारम्भ

विपत्तिकाल में तन-मन-धन से सेवाकार्य हमारी गौरवशाली परम्परा : सीताराम शर्मा

'मारवाड़ी सम्मेलन एवं मारवाड़ी समाज का दानवीरता के क्षेत्र में गौरवशाली इतिहास है। विशेषकर प्राकृतिक आपदा में समाज ने सदैव सहयोग का हाथ बढ़ाया है। कोरोना जान और जहान दोनों के लिए एक अप्रत्याशित विपत्ति के रूप में सामने आया है। हमें संगठित होकर इस पर विजय प्राप्त करनी है।' ये उद्‌गार अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं कोरोना राहत सेवाकार्य समिति के चेयरमैन **श्री सीताराम शर्मा** ने गत ०२ जुलाई २०२१ को सम्मेलन के अन्नपूर्णा रसोई कार्यक्रम के अन्तर्गत तारकेश्वर में निःशुल्क भोजन वितरण प्रकल्प का वेबिनार के माध्यम से उद्‌घाटन करते हुए व्यक्त किए। इस प्रकल्प के अन्तर्गत सम्मेलन की सहयोगी संस्था **श्री हनुमान परिषद** के तारकेश्वर स्थित धर्मशाला में प्रतिदिन दोनों शाम निःशुल्क भोजन कराया जाएगा। यह विश्वास प्रकट करते हुए कि यह सत्कृत्य सबके समक्ष एक अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करेगा, श्री शर्मा ने इस पहल के लिए हनुमान परिषद एवं सम्मेलन के पदाधिकारियों को बधाई दी।

उद्‌घाटन समारोह में सर्वप्रथम सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया** ने सबका स्वागत किया और कहा कि समाज-सुधार, समाज-विकास, राजनैतिक चेतना, संस्कृति-संवर्द्धन के साथ-साथ सम्मेलन अनवरत सेवाकार्य भी करता आ रहा है। तथापि, कोरोना-काल में सेवाकार्यों की आवश्यकता और महता बढ़ी है। सम्मेलन के अन्नपूर्णा रसोई कार्यक्रम के विषय में बताते हुए उन्होंने कहा कि गत दस महीनों से लगातार कोलकाता/हावड़ा के विभिन्न स्थानों पर निःशुल्क भोजन वितरण किया जा रहा है। **श्री गाड़ोदिया ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि पूरे राष्ट्र के २३ राज्यों में कार्यरत सम्मेलन की १७ प्रान्तीय शाखाएँ भी अन्नपूर्णा रसोई का कार्य अपने-अपने तरीक़े से कर रही हैं।**

सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री नंदलाल रुँगटा** ने अपने सम्बोधन में कहा कि हमारी यह मान्यता रही है कि **प्यासे को पानी और भूखे को भोजन देना अत्यंत पुण्य का कार्य होता है। किन्तु वर्तमान परिस्थितियों में यह कार्य पुण्य से ज्यादा हमारा दायित्व हो गया है।** उन्होंने कहा कि इस प्रकार के कल्याणकारी कार्य अनवरत चलते रहें, इस हेतु हमें हर सम्भव प्रयत्न करना चाहिए। पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री संतोष सराफ** ने हर मंदिर/धार्मिक स्थल पर इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित करने की सलाह दी।

श्री हनुमान परिषद के चेयरमैन एवं सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री भानीराम सुरेका** ने कहा कि परिषद अपनी स्थापना के सौ वर्ष पूरे कर रहा है और यह गौरव और संतोष का विषय है। **उन्होंने हनुमान परिषद धर्मशाला तारकेश्वर से यह कार्यक्रम लगातार एक वर्ष तक चलाने की घोषणा की।** परिषद के अध्यक्ष **श्री किशन कुमार सिंघानिया** ने कहा कि यात्री या स्थानीय, धर्मशाला में पधारे हर व्यक्ति को, बिना किसी भेदभाव के संतोषप्रद भोजन उपलब्ध कराने का हर सम्भव प्रयास किया जाएगा।

परिषद के सचिव **श्री सुशील चौधरी** ने कहा कि महानगरों में सेवाकार्य हेतु संसाधन प्राप्त हो जाते हैं किन्तु तारकेश्वर जैसे कस्बाई--ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसे कार्य करना एक अलग महत्व की बात है। उन्होंने बताया कि धर्मशाला में सभी तबके के लोग पधारते हैं और निस्वार्थ भाव से उन्हें प्रसन्न-संतुष्ट रखने का हर प्रयास किया जाता है। सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री विजय कुमार लोहिया**, कर्नाटक सम्मेलन के अध्यक्ष **डॉ. सुभाष अग्रवाल**, **श्री नंदलाल सिंघानिया** आदि ने भी अपने संक्षिप्त विचार रखे। सम्मेलन के राष्ट्रीय संगठन मंत्री **श्री बसंत कुमार मित्तल** ने धन्यवाद-ज्ञापन किया।

समारोह में सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष श्री प्रह्लाद राय अगरवाला, उपाध्यक्ष श्री पवन गोयनका, संयुक्त महामंत्री श्री सुदेश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष श्री दामोदर बिदावतका, दिल्ली सम्मेलन के अध्यक्ष श्री लक्ष्मीपत भूतोड़िया, तेलंगाना सम्मेलन के महामंत्री श्री रामपाल अट्टल, श्रीमती पुष्पा भुवालका, सर्वश्री पवन जालान, मदन खेमका, ओमप्रकाश टिबड़ेवाल, रंजीत डालमिया, अशोक पारख, ओमप्रकाश प्रणव, गोबिन्द अग्रवाल, सुनील जैन, प्रेम अग्रवाल, पवन परसरामपुरिया, गणेश कुमार खेमका, सुरेश अग्रवाल, भगवती भुवालका, नलिन गोपालिका, विश्वनाथ झुनझुनवाला, गिरधारीलाल अग्रवाल केयाल, राजू ओझा, रविकान्त छापरिया एवं परिषद के प्रबंधक श्री जयेश वोरा सहित गणमान्य समाजबंधु उपस्थित थे।

तारकेश्वर धर्मशाला में आगंतुकों को पंगत में बिठाकर ससम्मान भोजन।

अन्नपूर्णा रसोई प्रकल्प

[अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की कोरोना राहत सेवाकार्य समिति के निर्णय के अनुसार, ११ सितम्बर २०२० से ३० जून २०२१ तक अन्नपूर्णा रसोई प्रकल्प के अन्तर्गत लगातार कोलकाता और इसके आसपास के क्षेत्रों में प्रतिदिन ३०० संसाधनहीन लोगों को निःशुल्क भोजन वितरित किया गया।

निर्णित अवधि समाप्त होने के बाद, समिति द्वारा समीक्षा की गई और यह निर्णय लिया गया कि इस प्रकल्प को पुनः प्रारम्भ किया जाए और भोजन-वितरण मुख्यतः बड़े चिकित्सालयों के आसपास किया जाए ताकि रोगी एवं उनकी परिचर्या हेतु आने वाले इसका लाभ उठा सकें। तदनुसार ०६ जुलाई २०२१ से प्रकल्प पुनः प्रारम्भ हो गया और जुलाई माह में प्रतिदिन पी.जी. अस्पताल, कोलकाता के पास भोजन-वितरण किया गया।]

जुलाई २०२१ की झलकियाँ

०९ जुलाई २०२१

१० जुलाई २०२१

१५ जुलाई २०२१

१६ जुलाई २०२१

१८ जुलाई २०२१

२२ जुलाई २०२१

सर्वरूपेण व्यक्तित्व विकास का माध्यम है आयुर्वेद : डॉ. पीयूष द्विवेदी

'आयुर्वेद मात्र एक चिकित्सा-पद्धति नहीं, बल्कि मनुष्य के व्यक्तित्व के हर तरह से विकास का माध्यम है। लगभग साढ़े तीन हजार वर्षों से मानवता की सेवा में इसका उपयोग हो रहा है और यह पूर्णयता वैज्ञानिक एवं तर्कसंगत प्रणाली है।' ये उद्‌गार सुप्रसिद्ध आयुर्वेदाचार्य **डॉ. पीयूष द्विवेदी** ने गत ०४ जुलाई २०२१ को अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के **'आयुर्वेदिक चिकित्सा-पद्धति की विशेषताएँ'** विषयक वेबिनार को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए।

वेबिनार के प्रारम्भ में सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया** ने सबका स्वागत किया और कहा कि योग, नेचुरोपैथी, आयुर्वेद, होम्योपैथ, एलोपैथी, यूनानी सबकी अपनी-अपनी विशेषताएँ एवं सीमाएँ है किन्तु इन सबका उद्देश्य लोगों को निरोग रखना है। अतः इन सबको एक दूसरे के पूरक के रूप में काम करना चाहिए। तुलसी का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि हमारे पूर्वज वनस्पतियों के गुण-विशेष से भली-भांति परिचित थे, चिकित्सा-विज्ञान का उनका ज्ञान विशद था और हमारे इस धरोहर को अक्षुण्ण रखना, और विकसित करना, हमारा दायित्व है।

काया-चिकित्सा में एम.डी. की उपाधिप्राप्त, गोल्ड-मेडलिस्ट एवं एसडीपीजी आयुर्वेदिक कॉलेज के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. पीयूष द्विवेदी पूरे देश में लब्धप्रतिष्ठित आयुर्वेद-विशेषज्ञ हैं। उन्होंने अपने सम्बोधन में आयुर्वेद के परिचय, उद्देश्यों, सम्बंधित भ्रांतियों और सीमित सोच तथा आयुर्वेदिक चिकित्सा प्रणाली के विषय में सविस्तार बताया। उन्होंने कहा कि **स्वयं को स्वस्थ रखना और दुसरों को स्वास्थ्य के प्रति सजग रखना आयुर्वेद का मूलमंत्र है**। डॉ. द्विवेदी ने कहा कि एक स्वस्थ जीवन के लिए शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य भी अत्यंत महत्वपूर्ण है और आयुर्वेद इस पर बल देता है। उन्होंने कहा कि **आयुर्वेद कोई पैथी नहीं है, अपितु जीवन जीने का तरीका है**। मन और शरीर की स्थिति तथा भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान रखते हुए स्वस्थ लोगों को स्वस्थ रखने एवं बीमारी की समय चिकित्सा हेतु आयुर्वेद के ग्रंथों में विस्तृत, तार्किक विवरण उपलब्ध हैं, आवश्यकता है उनके पालन एवं ज्ञान के प्रचार-प्रसार की तथा इस प्राचीन पद्धति को सहयोग की।

अपने सम्बोधन के बाद डॉ. द्विवेदी ने सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षगण श्री राम अवतार पोद्दार एवं श्री प्रह्लाद राय अगरवाला, न्यायमूर्ति श्री रमेश मेरठिया, 'प्रभात खबर' के प्रबंध निदेशक श्री कमल नयन गोयनका, सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्षगण श्री विजय कुमार लोहिया, श्री पवन सुरेका, कर्नाटक सम्मेलन के अध्यक्ष डॉ. सुभाष अग्रवाल, पश्चिम बंग मारवाड़ी महिला सम्मेलन की अध्यक्षा श्रीमती रेणु अग्रवाल, श्रीमती पद्मा डागा, श्रीमती सविता लोहिया, झारखंड सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष श्री राजकुमार केडिया आदि के प्रश्नों का उत्तर दिया और आश्वासन दिया कि वे यथासम्भव चिकित्सा अथवा चिकित्सा-सम्बंधी जानकारी प्राप्त करने में मदद करेंगे।

वेविनार का संयोजन सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री **श्री शिव कुमार लोहिया** एवं स्वास्थ्य उपसमिति के चैयरमैन **श्री पवन जालान** ने किया। राष्ट्रीय महामंत्री **श्री संजय हरलालका** ने कुशल संचालन किया। धन्यवाद-ज्ञापन करते हुए श्री शिव कुमार लोहिया ने कहा कि आज का वेबिनार ज्ञानवर्धक रहा और डॉ. द्विवेदी का संदेश हजारों लोगों के पास जाएगा और वे इससे लाभान्वित होंगे।

वेविनार में सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षगण **श्री नंदलाल रुँगटा, श्री संतोष सराफ**, उपाध्यक्ष **श्री पवन गोयनका**, संगठन मंत्री **श्री बसंत मित्तल**, बिहार सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री महेश जालान**, दिल्ली सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री लक्ष्मीपत भूतोड़िया**, **सर्वश्री दिनेश जैन, नंदलाल सिंघानिया, अरुण खेमका, सूर्य प्रकाश बागला, रतन शाह, विनोद कुमार जैन, राजेश पोद्दार, अजय गुप्ता, सर्वश्रीमती सुश्री आशा धानुका, अनिता अग्रवाल, मीरा केजरीवाल, शालिनी गुप्ता, सुधा सराफ, कविता अग्रवाल, मंजु अग्रवाल, निशा, अम्बिका, मधुश्री, नीता, उमा खन्ना, रेणु कजारिया** सहित पूरे देश से बड़ी संख्या में समाज के लोगों ने भाग लिया।

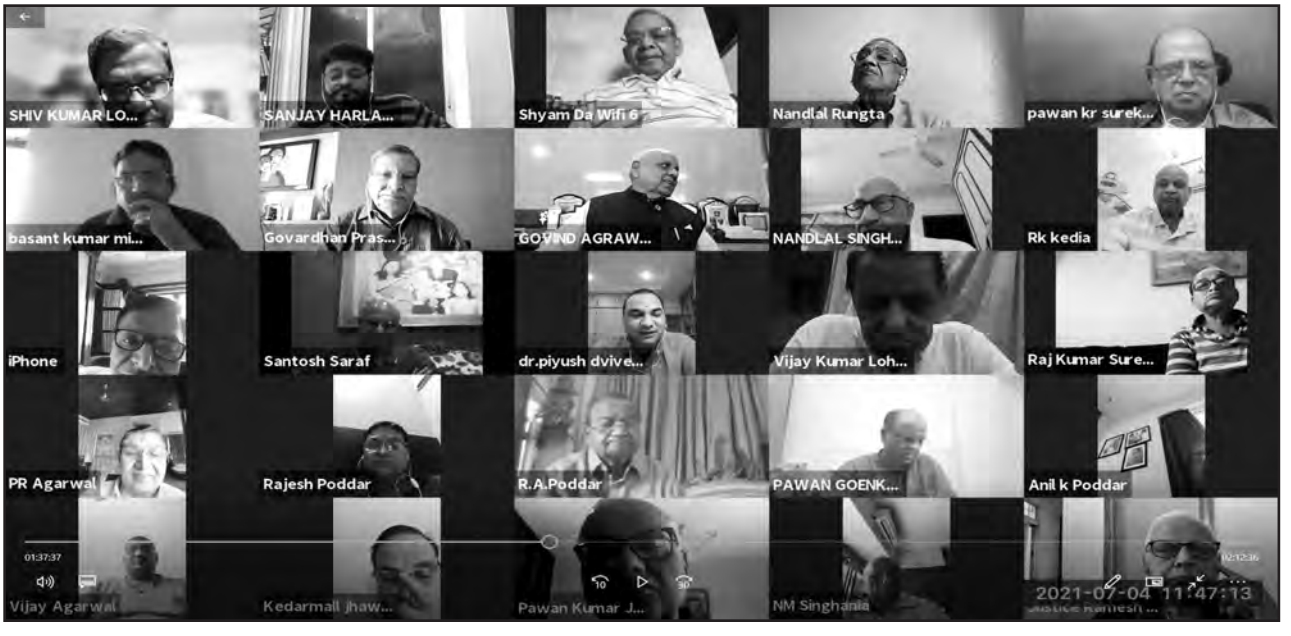

Krishi Rasayan Group

29, Lala Lajpat Rai Sarani (Elgin Road),
Kolkata - 700020, West-Bengal, India
www.krishirasayan.com
E-mail: atul@krishirasayan.com
Telephone: +91-33-71081010/11

With more than 50 years of experience in the agro-chemical business and being one of the oldest and leading agrochemical companies of India, **Krishi Rasayan** is touching new heights with each passing day.

The continuous process of upgradation, development and inherent changes according to the market requirements have helped **Krishi Rasayan** become a leader in the domestic circuit. **Krishi Rasayan** is expanding word-wide with exports and overseas registrations focusing on South-East Asia, Africa, Middle-East, CIS and Latin America.

Krishi Rasayan has 8 multi-location manufacturing plants in different parts of India and has 5 overseas subsidiaries.

It also boasts of having contract technical manufacturing units in India manufacturing Pretilachlor, Ethephon, Cypermethrin, Profenofos, Imidacloprid, Thiamethoxam, Metalaxyl, Metribuzin, Acetamiprid, Glyphosate, Tricyclazole, Butachlor, Emamectin benzoate, Difenconazole and Chlorpyriphos.

Additional technical products to be added are under process. The company has technical tie-ups and contract manufacturing with various companies in China and also has an office in Shanghai, China.

The company has many products including formulations such as EC, SC, WDG, SP, GR, EW and CS

Krishi Rasayan specializes in many combination products & bio-products. GLP data are available for most of the products; both 5-batch and 6-pack study.

Insecticides:
Deltamethrin 1% + Triazofos 35% EC, Profenofos 40% + Cypermethrin 4% EC, Ethion 40% + Cypermethrin 4% EC, Chlorpyriphos 50% + Cypermethrin 5% EC, Acephate 25% + Fenvalerate 3% EC, Buprofezin 15% + Acephate 35% WP, Profenofos 20% + Cypermethrin 2% EC, Deltamethrin 2.5% + Permethrin 2.5% EC, and many other forumlations available.

Fungicides:
Metalaxyl 8% + Mancozeb 64% WP, Carboxin 37.5% + Thiram 37.5% DS, Carbendazim 12% + Mancozeb 63% WP, Streptomycin sulphate + Tetracycline hydrochloride (90:10), Iprodione 25% + Carbendazim 25% WP, Cymoxanil 8% + Mancozeb 64% WP, etc

Weedicides:
Metsulfuron methyl 10% + Chlorimuron ethyl 10% WP & other formulations available.

PGR's:
6BA, Amino Acids, Ethephon, Gibberallic Acid, Hydrogen Cynamide, Tricontanol

Bio-Products:
Bacillus thuringiensis var kurstaki 7.5% WP, Trichoderma harzianum 2% WP, Trichoderma viride 1% WP, Pseudomonas fluorescens 0.5% WP, Neem Oil, Azadirachtin, Beauveria bassiana 1.15% WP, Verticillium lecani 1.15% WP and other formulations available.

Apollo
TOUCHING LIVES

Certificate No. : M-0342
NABL Accredited

Apollo Clinic
Expertise. Closer to you.

P-72, Prince Anwar Shah Road, Opp. South City Mall, Kolkata-700 045
Tel. : 4021-2525-55, E-mail : pashahroad@theapolloclinic.com

SERVICES AT A GLANCE

- **Laboratory Services - Advanced Automatic Equipments**
- **Radiology**
  - MRI / CT / Scan | - Digital X-Ray
  - Ultrasonography | - Colour Doppler Study
- **Cardiology**
  - ECG | - Echo-Cardiography
  - Echo-Colour Doppler | - Holter Monitoring
  - Treadmill Test (TMT)
- **Wide Range of Pathology**
- **Pulmonary Function Test**
- **UGI Endoscopy / Colonoscopy**
- **Physiotherapy**
- **EEC / EMG / NCV**
- **General & Cosmetic Dentistry**
- **Elder Care Service**
- **Sleep Study (PSG)**
- **EYE / ENT Care Clinic**
- **Gynae and Obstetric Care Clinic**
- **Haematolgy Clinic**
- **Personalised Care (Injection, Dressing, ECG etc.) at your doorstep**
- **Health Check-up Packages**
- **Online Reporting**
- **Report Delivery**

Home Blood Collection

(033) 4021-2525, 97481-22475

98301 96659

Consultation I Diagnostics I Dentistry I Health Checks

To your taste buds, with love...

Refreshingly, yours.

Indulgently, yours.

Addictively, yours.

Spicily, yours.

Healthily, yours.

Nourishingly, yours.

Delightfully, yours.

Obsessively, yours.

Temptingly, yours.

Passionately, yours.

Snackingly, yours.

Yours Tastefully Anmol™

celebrating 25 years

BISCUITS

www.anmolindustries.com | Follow us on:

PHONEX ROADWINGS

STEVEDOR & SHORE HANDLING AGENT

Our Services

- Port Stevedoring & Cargo Handling of Both Bulk Break bulk cargo
- Shipping / Steamer Handling Agent
- Road Transportation
- In bound & Out bound Logistics
- Container Freight Services

A-1/46/1, New Paharpur Road,
Rabindranagar, Kolkata – 700 066
E-mail : phonex.roadwings@gmail.com
roadwingsinternational@gmail.com

PIC - Nikunj Gourisaria , Mob. 9833933729, E-mail : nikunj.gourisaria@gmail.com

बिहार सम्मेलन : जुलाई २०२१ की गतिविधियाँ

हमारी प्राथमिकता : चुनौतियों में अवसर खोजना

जुलाई का महीना शाखाओं और प्रांत दोनों के लिए अत्यधिक सक्रियता भरा रहा। माह की शुरूआत एक जुलाई को डॉक्टर्स डे एवं सीए डे पर अनेक शाखाओं के द्वारा इन्हें सम्मानित किए जाने से हुई। कई शाखाओं के पदाधिकारियों ने चिकित्सकों और चार्टर्ड अकाउंटेंट्स के आवास एवं कार्यालय में पहुँच कर उन्हें फूलों के गुलदस्ते, अंगवस्त्र, प्रतीक चिह्न एवं उपहार आदि से सम्मानित किया।

प्रादेशिक स्तर पर मारवाड़ी गीत संगीत प्रतियोगिता **"ढोला ढोल मंजीरा बाजे रे – सुर लहरी राजस्थान री"** कुल २०३ वीडियो की प्राप्ति के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुई। विजेताओं की घोषणा की गई और सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र निर्गत किए गए। इसके तुरंत बाद २३ जुलाई से राजस्थानी नृत्य प्रतियोगिता **"सावन आयो रे - इंद्रधनुष रो रंग लायो रे"** आरंभ की गई जिसकी अंतिम तिथि १५ अगस्त निर्धारित की गई है।

प्रादेशिक कार्यालय में प्रथम बार पधारने पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सह बिहार प्रान्त के प्रभारी **श्री पवन सुरेका** का वरीय उपाध्यक्षद्वय **श्री राजेश बजाज** एवं **श्री नीरज खेड़िया** ने स्वागत किया।

प्रादेशिक कार्यालय में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री पवन सुरेका का स्वागत

प्रांत की अनेक शाखाओं द्वारा कोरोना से बचाव के लिए अपने-अपने क्षेत्र में टीकाकरण शिविरों का श्रृंखलाबद्ध आयोजन किया गया।

शाखाओं और प्रादेशिक पदाधिकारियों की ऊर्जा और सक्रियता का यह आलम रहा कि कोरोना भी उन्हें नहीं रोक पाया। दूसरी लहर के थोड़ा-सा थमते ही समाज के सजग प्रहरी अपने काम पर निकल पड़े। इस पूरे माह शाखाओं का सघन दौरा किया गया। सप्ताह के लगभग प्रत्येक शुक्रवार, शनिवार और रविवार को प्रवास का कार्यक्रम बना। परिणामस्वरूप सारण, चंपारण और पूर्णियाँ प्रमंडल की समस्त शाखाओं एवं कुछ नए स्थानों सहित २८ जगहों का दौरा किया गया जिनमें छपरा, सीवान, गोपालगंज, मीरगंज, महाराजगंज, बरोली, सिथवलिया, मोतिहारी, बेतिया, रक्सौल, फारबिसगंज, हरसिद्धि, सुगौली, आदापुर, घोड़ासहन, चनपटिया, नरकटियागंज, रामनगर, बगहा, पूर्णियाँ, अररिया, जोगबनी, बनमंखी, गुलाब बाग, जलालगढ़, बिरौली, भवानीपुर राजधाम आदि शामिल हैं।

गाँवों-कस्बों में पारिवारिक माहौल में बैठक

इस क्रम में लगभग ९० आजीवन सदस्य बनाए गए और तकरीबन १०० सदस्य और बनाने की भूमिका तैयार हुई। सबसे बड़ी उपलब्धि तो यह रही कि इन दौरों के माध्यम से लगभग ८०० से भी अधिक समाजबंधुओं से रू-ब-रू होने का मौका मिला। कुछ शाखाओं में तो अठारह-बीस वर्षों के बाद नई समिति का गठन किया गया।

सभी जगह स्थानीय परिवारों की संख्या के अनुरूप समाजबंधु उपस्थित रहे, जिन्हें सम्मेलन के द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रमों, गतिविधियों और योजनाओं की जानकारी दी गई एवं सम्मेलन से उनकी इच्छाओं-अपेक्षाओं को समझा गया। दौरे के क्रम में जगह-जगह छात्र-छात्राओं, महिलाओं, युवाओ और समाजबंधुओं को यथोचित पुरस्कार एवं सम्मान प्रदान किया गया।

बुजुर्ग समाजबंधु का सम्मान

माह के अंत में २५ जुलाई को कोशी प्रमंडल की पूर्णियाँ शाखा के आतिथ्य में प्रांतीय कार्यकारिणी समिति की बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग ६२ पदाधिकारी एवं सदस्य

उपस्थित हुए। विशेष रूप से राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री पवन कुमार सुरेका** और पूर्व प्रादेशिक अध्यक्ष **डॉ. रमेश कुमार केजरीवाल** का सानिध्य प्राप्त हुआ। अब तक के कार्यों की समीक्षा और विस्तृत विचार-विमर्श के उपरांत आगे की योजनाओं का निर्धारण किया गया।

प्रांत की गतिविधियों के विषय में जानकारी देते हुए प्रादेशिक अध्यक्ष **श्री महेश जालान** ने कहा, **"हम राजस्थान जैसे प्रतिकूल भौगोलिक परिस्थितियों वाले प्रदेश के वासी हैं। राह में मिलने वाली चुनौतियों से घबड़ा कर न तो हमें थमना है और न हीं पीछे मुड़ना है बल्कि उनमें अवसर खोज कर हमें कदम-ब-कदम आगे ही बढ़ते जाना है।"**

कार्यकारिणी समिति की बैठक : मातृशक्ति का साथ

'असम की मारवाड़ी जाति का इतिहास' पुस्तक का दिल्ली में विमोचन

राष्ट्र-निर्माण में मारवाड़ी समाज की सक्रिय भूमिका : ओम बिरला

'मारवाड़ी समाज के जनकल्याणकारी कार्य प्रशंसनीय हैं। समाज-निर्माण के साथ-साथ राष्ट्र-निर्माण में भी मारवाड़ी समाज का महत्वपूर्ण योगदान है। यह समाज निरंतर सेवा एवं परोपकार के कार्यों में अपने साधन एवं शक्ति का उपयोग कर रहा है।' ये विचार **लोकसभाध्यक्ष श्री ओम बिरला** ने गत ३० जुलाई २०२१ को अपने निवासस्थान पर अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **डॉ. श्याम सुंदर हरलालका** द्वारा लिखित पुस्तक '**असम की मारवाड़ी जाति का इतिहास**' का लोकार्पण करते हुए व्यक्त किए। श्री बिरला ने समाज-परिवर्तन और समाजसेवा का आह्वान करते हुए कहा कि व्यक्तिगत और सामाजिक जीवन के साथ देशप्रेम की भावना भी विकसित होनी चाहिए। समाज के समृद्ध वर्गों से अपील करते हुए श्री बिरला ने कहा कि समृद्धि के शिखर पर रहकर भी समाज कल्याण और शुचिता को अपनाकर समाज में आदर्श प्रस्तुत किया जा सकता है। मारवाड़ी समाज ने इस दिशा में प्रेरणा का काम किया है। प्रस्तुत पुस्तक में ऐसे कार्यों की समग्रता से विवेचना की गयी है जो प्रेरणा का काम करेगी।

दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री लक्ष्मीपत भूतोड़िया** ने कहा कि ५७६ पृष्ठों की यह पुस्तक सुदूर असम प्रांत में मारवाड़ी समाज की भूमिका को प्रस्तुत करती है। यह पुस्तक मारवाड़ी समाज के लिए एक मील का पत्थर साबित होगी और आने वाली पीढ़ी के लिए अमूल्य दस्तावेज के रूप में काम आएगी। तेरापंथ समाज के वरिष्ठ कार्यकर्ता एवं साहित्यकार **श्री पुखराज सेठिया** ने कहा कि न केवल असम बल्कि बंगाल एवं अन्य प्रांतों में मारवाड़ी समाज ने अपने सेवा और परोपकार के कार्यों से एक आदर्श स्थापित किया है। विद्या भारती, दिल्ली के अध्यक्ष **श्री सुखराज सेठिया** ने मारवाड़ी समाज की समाजोत्थान एवं मानव कल्याण की रचनात्मक एवं सृजनात्मक गतिविधियों की सराहना करते हुए कहा कि मारवाड़ी समाज द्वारा समाज-निर्माण, आर्थिक विकास, शिक्षा, सेवा एवं जनकल्याण के अनेक विशिष्ट उपक्रम राष्ट्र-स्तर पर संचालित किये जा रहे हैं। पत्रकार एवं लेखक **श्री ललित गर्ग** ने कहा कि डॉ. श्याम सुंदर हरलालका की पुस्तक ने मारवाड़ी समाज के योगदान संरक्षित करने की दृष्टि से महत्वपूर्ण भूमिका प्रदत्त की है। उन्होंने अन्य प्रांतों में भी इस प्रकार की पुस्तकों के प्रकाशन की आवश्यकता पर बल दिया और कहा कि इसके लिए अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन को साहित्य-प्रकाशन की ठोस योजना बनानी चाहिए। दिल्ली सम्मेलन के उपाध्यक्ष **श्री एम.एल. बैद** ने दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की गतिविधियों की जानकारी दी। इस अवसर पर दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के पदाधिकारियों-सदस्यों सहित गणमान्य समाजबंधु उपस्थित थे।

कर्नाटक के महामहिम राज्यपाल डॉ. थावर चन्द गहलोत द्वारा गत ११ जुलाई २०२१ को पदभारग्रहण करने के बाद कर्नाटक प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष डॉ. सुभाष अग्रवाल ने गत १९ जुलाई २०२१ को उनसे एक शिष्टाचार भेंट की। मुलाकात में डॉ. अग्रवाल के निर्देशन में चलने वाले राजभवन-स्थित विद्यालय, कर्नाटक की राजनीतिक स्थिति सहित विभिन्न विषयों पर अनौपचारिक बातचीत हुई।

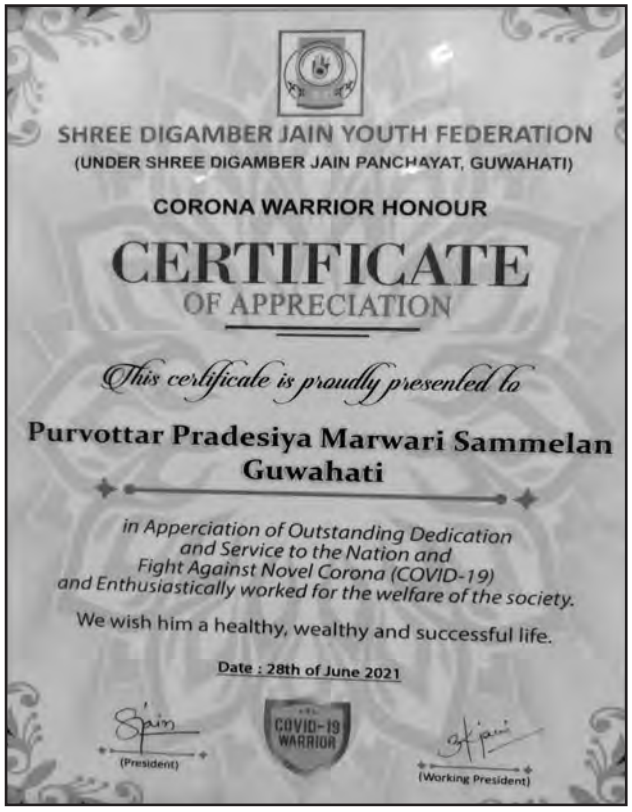

१८ जुलाई २०२१ को गौहाटी-स्थित महावीर स्थल पर आयोजित एक समारोह में पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन को जैन इंटरनेशनल ट्रेड आर्गेनाईजेशन एवम् श्री दिगम्बर जैन यूथ फेडरेशन द्वारा कोरोना-राहत सेवाकार्यों एवं टीकाकरण में सक्रिय भूमिका हेतु सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रादेशिक शाखा की ओर से महामंत्री श्री अशोक अग्रवाल, गुवाहाटी महिला शाखा की अध्यक्ष सह मंडल च की उपाध्यक्षा श्रीमती कंचन केजरीवाल, गुवाहाटी शाखा के अध्यक्ष श्री सांवरमल अग्रवाल एवं कामरूप शाखा के मंत्री श्री दिनेश गुप्ता उपस्थित थे। प्रांतीय महामंत्री श्री अशोक अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि प्रान्त की प्रायः सभी शाखाएँ अपने-अपने स्तर पर कोरोना काल में सेवाकार्यों में जुट ी हुई हैं और आज जो सम्मान प्रादेशिक शाखा को मिला है उसकी सच्ची मायने में हकदार हमारी शाखाएँ हैं। उन्होंने सभी शाखाओं को धन्यवाद दिया तथा आयोजकों का आभार व्यक्त किया।

समाचार सार

संसाधनों का सदुपयोग

एक प्रशंसनीय पहल

ब्रजराजनगर (ओडिशा) की **श्रीमती बरखा** एवं **श्री दिलीप अग्रवाल** ने अपनी पच्चीसवीं वैवाहिक वर्षगाँठ के अवसर पर कोई आडम्बरपूर्ण आयोजन न कर, स्थानीय लोगों की सुविधा हेतु एक एम्बुलेंस दान करने का निर्णय लिया और इसका प्रबंधन स्थानीय स्वस्तिक क्लब के जिम्मे कर दिया। उल्लेखनीय है कि श्री दिलीप अग्रवाल उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री गोविन्द अग्रवाल के अनुज हैं।

स्वस्तिक क्लब के संरक्षक श्री गोपाल शर्मा को एम्बुलेंस की चाबी प्रदान करते श्रीमती बरखा एवं श्री दिलीप अग्रवाल।

इस अनुकरणीय पहल का स्वागत करते हुए, अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन परिवार बरखा जी एवं दिलीप जी के सुदीर्घ स्वस्थ-सम्पन्न-सक्रिय दाम्पत्य जीवन की मंगलकामना करता है!

बधाई!

चंपारण (बिहार) के श्री विश्वनाथ झुनझुनवाला (बिहार सम्मेलन के चंपारण प्रमंडलीय उपाध्यक्ष) की सुपौत्री एवं सीए श्री अजय झुनझुनवाला की सुपुत्री **सुश्री पल्लवी झुनझुनवाला** ने कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट (सी. एल.ए.टी.) में पूरे देश में १६०वाँ स्थान प्राप्त किया है। **बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन ने सुश्री पल्लवी को 'शिक्षा गौरव सम्मान' से विभूषित करने की घोषणा की है।**

इस विशिष्ट उपलब्धि पर बधाइयाँ देते हुए, अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन परिवार सुश्री पल्लवी की उत्तरोत्तर प्रगति एवं उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना करता है!

उत्कल सम्मेलन की अनूठी पहल

त्रिवेणी में सामूहिक अस्थि-विसर्जन

कोरोनाकाल में बहुत से लोगों ने अपने निकटस्थों को खोया है। आवागमन के साधनों की कमी और विभिन्न प्रतिबंधों के कारण अनेकों के अंतिम संस्कार भी भली-भांति सम्पन्न नहीं हो सके। ऐसे में **उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन** एवं **ओडिशा प्रांतीय मारवाड़ी युवा मंच** के संयुक्त तत्वावधान में **आगामी ०५ सितम्बर २०२१ को प्रयागराज के त्रिवेणी संगम पर सामूहिक अस्थि-विसर्जन का प्रावधान किया गया है।**

मृत व्यक्तियों के परिवारजनों की इच्छानुसार, मृतक के नाम, गोत्र, पता आदि सहित अस्थियाँ एकत्रित की जायेंगी और आगामी ०३ सितम्बर २०२१ को संबलपुर स्थित श्रीकृष्ण गोशाला से प्रयागराज के लिए रवाना की जायेंगी।

कार्यक्रम के प्रांतीय संयोजक **श्री दिनेश अग्रवाल** (उपाध्यक्ष, उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन) एवं **श्री प्रतीक अग्रवाल** ने बताया कि **यह सुविधा किसी वर्ग-विशेष के लिए नहीं है बल्कि कोई भी ओडिशावासी इसका निःशुल्क लाभ उठा सकता है। इस हेतु पूरे ओडिशा में कहीं भी अपने नजदीकी मारवाड़ी सम्मेलन या मारवाड़ी युवा मंच की शाखा या सदस्यों से सम्पर्क किया जा सकता हैं।**

बधाई!

गोलाघाट (असम) की श्रीमती सीमा एवं श्री संदीप सिंघी (अगरवाला) की सुपुत्री एवं डॉ. मयूर अग्रवाल की सहधर्मिणी **श्रीमती विजया अग्रवाल** ने मास्ट र ऑफ सर्जरी (एम.एस) की परीक्षा में पूरे असम में द्वितीय स्थान प्राप्त कर परिवार और समाज का मान बढ़ाया है।

विजया वाल्यकाल से ही मेधावी रही हैं। उन्होंने दसवीं की परीक्षा में ९४ और बारहवीं की परीक्षा में ९२ प्रतिशत अंक पाये। पहले प्रयास में ही उनका एम.बी.बी.एस. कोर्स हेतु चयन हो गया और कोर्स के दौरान उन्हें उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु दो स्वर्णपदक एवं एक रजतपदक प्राप्त हुए। विश्वविद्यालय के प्रसूति एवं स्त्रीरोग विभाग में सर्वश्रेष्ठ अंक प्राप्त करने पर उन्हें **असम के महामहिम राज्यपाल द्वारा 'तिलोत्तमा राय चौधरी अवार्ड' से सम्मानित** किया गया।

श्रीमती विजया अग्रवाल को उनकी गौरवमयी उपलब्धियों हेतु हार्दिक बधाइयाँ देते हुए, अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन परिवार उनकी उत्तरोत्तर प्रगति एवं उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना करता है!

समाचार सार

नार्थ लखीमपुर शाखा का कोविड टीकाकरण शिविर

पूर्वोत्तर सम्मेलन की नार्थ लखीमपुर शाखा ने स्थानीय समाजसेवी संस्था 'जन सेवा' एवम 'हिंदीभाषी विकास परिषद' की जिला इकाई के साथ लखीमपुर स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में नौ दिन तक कोविड टीकाकरण शिविर नगर के ८ नम्बर वार्ड स्थित विद्यालय शंकर देव शिशु निकेतन के परिसर में आयोजित किया। १६ जुलाई २०२१ से चले इस शिविर का समापन २७ जुलाई २०२१ को हुआ। शाखा के सचिव **श्री राज कुमार सराफ** ने सूचना दी है कि नौ दिन तक चले इस शिविर में कोविशील्ड की पहली व दूसरी दोनों खुराकों को मिलाकर कुल २,२४० लोगों को टीके लगवाये गए।

पश्चिम बंग सम्मेलन का टीकाकरण शिविर

पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन, पश्चिम बंगाल मारवाड़ी महिला सम्मेलन एवं पश्चिम बंग सिक्किम प्रांतीय मारवाड़ी युवा मंच के संयुक्त तत्वावधान में **गत २७ जुलाई से २९ जुलाई २०२१ तक** एक कोविड-१९ टीकाकरण शिविर स्वस्तिक ई.एन.टी. एण्ड स्कीन क्लिनिक, सरत बोस रोड, कोलकाता में आयोजित किया गया जहाँ रियायती दर पर सर्वसाधारण को टीके उपलब्ध कराये गए। सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री संतोष सराफ** एवं राष्ट्रीय महामंत्री **श्री संजय हरलालका** ने विशिष्ट अतिथि के रूप में शिविर में भाग लिया। सम्मेलन के प्रादेशिक अध्यक्ष **श्री नन्द किशोर अग्रवाल** ने शिविर की अध्यक्षता की और सबका स्वागत किया। सम्मेलन की स्वास्थ्य उपसमिति के चेयरमैन **श्री पवन जालान** एवं **श्री अनिल डालमिया** शिविर के संयोजक थे। सर्वश्री विश्वनाथ खरकिया, गोपी धुवालिया, अनुप अग्रवाल, रूपक केडिया, अशोक पुरोहित, राजकुमार बंका, सज्जन बेरिवाल, धर्मराज महेश्वरी, वेद प्रकाश जोशी, राजन खण्डेलवाल, श्रीमती रेणु अग्रवाल, श्रीमती पूनम अग्रवाल आदि ने सक्रिय सहयोग दिया।

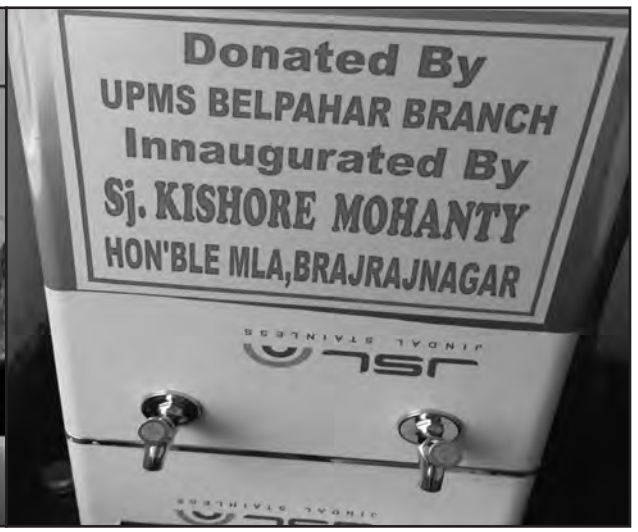

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की बेलपहाड़ शाखा द्वारा बेलपहाड़ गवर्नमेंट हॉस्पिटल को दानस्वरूप प्रदत्त एक वोल्टास वाटर कूलर और बीस नीलकमल प्लास्टिक कुर्सियों का उद्घाटन गत २२ जुलाई २०२१ को माननीय विधायक **श्री किशोर मोहन्ती** के कर-कमलों से हुआ। इस अवसर पर बेलपहाड़ शाखा के अध्यक्ष **श्री शिव कुमार अग्रवाल**, सर्वश्री ओमप्रकाश अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, विश्वनाथ अग्रवाल, राजकुमार अग्रवाल, रमेश धवालिया, शेखर गोयनका आदि उपस्थित थे।

देव-स्तुति

[गतांक से आगे]

– डॉ. जुगल किशोर सर्राफ

स्वगोभिः पितृदेवेभ्यो विभजन्कृष्णशुक्लयोः।
प्रजानां सर्वासां राजान्धः सोमो न आस्त्विति।।

पितरों तथा देवतायों को अन्न देने के उद्देश्य से चन्द्र-देवता ने अपने ही किरणों से मास को दो पक्षों शुक्ल और कृष्ण नामक में विभाजित किया है। चन्द्र-देवता काल का विभाजन करने वाला और ब्रह्मांड के वासियों का अधिपति है। इसलिए हम यह प्रार्थना करते हैं कि वह हमारा अधिपति तथा मार्गप्रदर्शक बना रहे। हम उसे सादर नमस्कार करते हैं।

अन्तःप्रविश्य भूतानि यो बिभर्त्यात्मकेतुभिः।
अन्तर्यामीश्वरः साक्षात्पातु नो यद्वशे स्फुटम्।।

(शाकद्वीप के निवासी, निम्नलिखित शब्दों से वायु रूप में श्रीभगवान् की आराधना करते हैं)–हे परम पुरुष शरीर के भीतर परमात्मा रूप में स्थित आप विभिन्न वायुओं, जैसे प्राण की विभिन्न क्रियाओं का संचालन करने वाले और सभी जीवात्माओं का पालन करने वाले हैं। हे ईश्वर, हे परमात्मा, हे ब्रह्मांड के नियामक, आप सभी प्रकार के संकटों से हमारी रक्षा करें।

अयि नन्दतनुज किंकरं पतितं मां विषमे भवाम्बुधौ।
कृपया तव पादपंकजस्थितधूलीसदृशं विचिन्तय।।

हे भगवान, नन्द महाराज के पुत्र मैं आपका चिरन्तन दास हूँ। न जाने में कैसै अज्ञान के इस भवसागर में गिर गया हूँ। मैं अपने को बचाने के लिए अत्यधिक संघर्ष कर रहा हूँ, किन्तु कोई उपाय नहीं है। यदि कृपया आप इस भौतिक जीवन की विषम स्थिति से मेरा उद्धार करें और अपने चरणकमलों में धूल के एक कण की तरह मुझे टिका लें तो उससे मेरी रक्षा हो जाएगी।

श्रीप्रजापतिरूवाच

नमः परायावितथानुभूतये गुणत्रयाभासनिमित्तबन्धवे।
अदृष्टधाम्ने गुणतत्त्वबुद्धिभिर्निवृत्तमानाय दधे स्वयम्भुवे।।

भगवान् माया तथा उससे उत्पन्न शारीरिक कोटियों से परे हैं। उनमें अचूक ज्ञान और सर्वोच्च इच्छा-शक्ति रहती है और वे जीवों तथा माया के नियन्त्रक हैं। जिन बद्धात्माओं ने इस भौतिक को सर्वस्य समझ रखा है वे उन्हें नहीं देख सकते, क्योंकि वे व्यावहारिक ज्ञान के प्रमाण से परे हैं। वे स्वतः प्रकट तथा आत्म-तुष्ट हैं। वे किसी कारण द्वारा उत्पन्न नहीं किये जाते। मैं उन्हें सादर नमस्कार करता हूँ।

यथा राज्ञः प्रियत्वं तु भृत्वा वेदेन चात्मनः।
तथा जीवो न यत्सख्यं वेत्ति तमै नमोऽस्तु ते।।

जिस तरह किसी बृहद् संस्थान के विभिन्न विभागों के अनेकों सेवक उस सर्वोच्च प्रबन्ध-निर्देशक को नहीं देख पाते जिसके अधीन वे कार्य करते हैं, उसी प्रकार बद्धात्माएँ अपने शरीर के भीतर बैठे हुए परम मित्र को नहीं देख पातीं। इसलिए हम उस परम को सादर नमस्कार करते हैं, जो हमारी भौतिक आँखों से अदृश्य है।

देहोऽसवोऽक्षा मनवो भूतमात्रामात्मानमन्यं च विदुः परं यत्।
सर्वं पुमान्वेद गुणांश्च तज्ज्ञो न वेद सर्वज्ञमनन्तमीडे।।

केवल पदार्थ होने के कारण शरीर, प्राणवायु, बाहरी और आन्तरिक इन्द्रियाँ, पाँच स्थूल तत्त्व तथा इन्द्रिय-विषय (ध्वनि, रूप, स्पर्श, गन्ध और स्वाद) अपने स्वभाव को, अन्य इन्द्रियों के स्वभाव को या उनके नियन्ताओं के स्वभाव को नहीं जान पाते हैं। किन्तु जीव अपने आध्यात्मिक स्वभाव के कारण अपने शरीर, प्राणवायु, इन्द्रियों, तत्त्वों तथा इन्द्रिय-विषयों को जान सकता है और वह तीन गुणों को भी जान सकता है, जो उनके मूल में होते हैं। फिर भी, हालांकि जीव उनसे पूरी तरह से अवगत है, लेकिन वह परम पुरुष को देख पाने में असमर्थ है, जो सर्वज्ञ और असीम है। इसलिए मैं उन्हें सादर नमस्कार करता हूँ।

यदोपरामो मनसो नामरूपरूपस्य दृष्टस्मृतिसम्प्रमोषात्।
य ईयते केवलया स्वसंस्थया हंसाय तस्मै शुचिसद्मने नमः।।

जब मनुष्य की चेतना पूरी तरह स्थूल तथा सूक्ष्म भौतिक जगत के कल्मष से शुद्ध हो जाती है और कार्य करते तथा स्वप्न देखने की अवस्थाओं से विचलित नहीं होती तथा जब मन सुषुप्ति अर्थात् गहरी नींद में लीन नहीं होता तो वह समाधि के पद को प्राप्त होता है। तब उसकी भौतिक दृष्टि तथा मन की स्मृतियाँ, जो नामों तथा रूपों को प्रकट करती हैं, विनष्ट हो जाती हैं। केवल ऐसी ही समाधि में भगवान् प्रकट होते हैं। इसलिए हम उन को सादर नमस्कार करते हैं, जो उस अकलुषित दिव्य अवस्था में देखे जाते हैं।

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

विशिष्ट संरक्षक सदस्य

डॉ. गौरी शंकर डोकानियाँ
मे. जी.एस. डोकानियाँ एण्ड असोसिएट्स
गणपति काम्पलेक्स, प्रथम तल
पटल बाबू रोड, भागलपुर-८१२००१
मो : ९४३१२१३२०१

श्री सज्जन कुमार सराफ
मे. दुर्गा प्रसाद शांति देवी सराफ ट्रस्ट
१३९४/ए१, कोरिएंटल बैंक लेन
कचहरी रोड, राँची-८३४००१
झारखंड
मो : ९३३४९२३४८०

श्री ओम प्रकाश सर्राफ
मे. अनिष इंटरप्राईजेज
हरित भवन, विशाल मेगा मार्ट के पास
हरमु रोड, राँची - ८३४००१, झारखंड
मो : ७०३३५९८००१/९८३५१५५००४

श्री प्रवीण कुमार अग्रवाल
मे. जनता साड़ी सेन्टर
१७२, एम.जी. रोड,
कोलकाता - ७००००७
मो : ९८३००४६८२५

श्री राजकुमार अग्रवाल (भालोटिया)
मे. आर.एस.पी. मेटालिक्स प्रा. लि.
सी.एच. एरिया, रोड नं.-७
बिल्टिंग नं.-४, जमशेदपुर-८३१००१
झारखंड
मो : ९४३११३९७३१

श्री रतन कुमार शर्मा
मे. सत्यम इस्पात नार्थ ईस्ट लि.
मे. सत्यम ग्रुप ऑफ कम्पनीज
छटवाँ तल, अनिल प्लाजा-१
जी.एस. रोड, गुवाहाटी-७८१००५
असम, मो : ९७०६०५२५०१

श्री सुशील कुमार पोद्दार
९, इंडिया एक्सचेंज प्लेस
कोलकाता - ७००००१
मो : ९८३६०१५५५५

श्री महेश कुमार कंदोई
मे. एच.पी. इस्पात (प्रा.) लि.
मार्टिनबर्न हाउस, १, आर. एन.
मुखर्जी रोड, द्वितीय तल, रुम
नं.-२१०, कोलकाता-७००००१
मो : ९९०३९९९९२३

सम्मेलन के सदस्य बनें और बनायें।

MARWARI SAMMELAN FOUNDATION

(A Trust of All India Marwari Federation)

उच्च शिक्षा कोष

समाज के बच्चों को शिक्षित कर परिवार को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में पहल

छात्र/छात्राएँ नि:शुल्क छात्रवृत्ति के लिये सम्पर्क करें

इंजीनियरिंग, टेक्निकल, चिकित्सा, मैनेजमेंट आदि क्षेत्रों में स्नातकोत्तर/उच्च शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति हेतु समाज के मेधावी एवं जरूरतमंद छात्र-छात्राओं से आवेदन आमंत्रित हैं।

पात्रता : (क) १७ और २५ वर्षों के बीच के उम्र के मेधावी छात्र-छात्राएँ जिनका शैक्षिक परीक्षाओं में प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा हो और जिन्हें केवल अपनी योग्यता के बल पर किसी मान्यताप्राप्त शैक्षणिक संस्थान में प्रवेश मिल रहा हो।

(ख) जिन आवेदकों के माता-पिता की वार्षिक आय तीन लाख रुपयों से कम होगी, उन्हें प्राथमिकता दी जाएगी।

प्रक्रिया : (क) पूर्व शैक्षिक प्रमाणपत्रों, प्रवेश के प्रमाण, माता-पिता के आय प्रमाणपत्र एवं पासपोर्ट साइज चित्रों के साथ, मारवाड़ी सम्मेलन की किसी शाखा/सम्बद्ध संस्था से अनुमोदित आवेदन प्रस्तुत करने हैं।

(ख) एक छात्र-छात्रा को वर्ष में अधिकतम दो लाख रुपयों की राशि अनुदानस्वरूप दी जा सकती है।

(ग) प्रतिवर्ष कुछ छात्रवृत्तियाँ छात्राओं के लिए सुरक्षित हैं।

आवेदन करें : *चेयरमैन, उच्च शिक्षा उपसमिति, अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन*
४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपियर सरणी, कोलकाता-१७, फोन : (०३३) ४००४४०८९, ईमेल : aimf1935@gmail.com

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

आजीवन सदस्य

श्री पवन कुमार अग्रवाल फारबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री रुपेश कुमार चोखानी** फारबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री रितेश चौधरी** फारबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री श्याम सुन्दर सोमानी** फारबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री राजेन्द्र कुमार सोनावत** फारबिसगंज, अररिया, बिहार
श्री प्रदीप कुमार लुणिया फारबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री रघुवीर प्रसाद अग्रवाल** फारबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री मनोज कुमार अग्रवाल** फारबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री मनोज कुमार अग्रवाल** फारबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री राजेश कुमार अग्रवाल** फारबिसगंज, अररिया, बिहार
श्री विमल कुमार सोनावत फारबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री मनोहर बयानवाला** फारबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री कुंज बिहारी गोयल** फारबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री शशि कांत गोयल** फारबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री अमन कुमार बैद्** फारबिसगंज, अररिया, बिहार
श्री मुकेश कुमार बोथरा फारबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री मुकेश अग्रवाल** फारबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री फतेह चंद जैन** फारबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री पियुष अग्रवाल** फारबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री निर्मल कुमार अग्रवाल** फारबिसगंज, अररिया, बिहार
श्री सुमन डागा फारबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री निर्मल कुमार डोसी** फारबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री हिमांशु जैन** फारबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री नारायण राठी** फारबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री राज कुमार अग्रवाल** फारबिसगंज, अररिया, बिहार
श्री मुकेश झुनझुनवाला के. पी. रोड, गया, बिहार	**श्री अक्षय झुनझुनवाला** के. पी. रोड, गया, बिहार	**श्रीमती किरण झुनझुनवाला** गया, बिहार	**श्री किशन कुमार शर्मा** गणपतगंज, सुपौल, बिहार	**श्री विकाश कुमार अग्रवाल** गणपतगंज, सुपौल, बिहार
श्री गोपाल प्रसाद अग्रवाल गणपतगंज, सुपौल, बिहार	**श्री अजय कुमार अग्रवाल** कदमकुँआ, पटना, बिहार	**श्री अनिल कुमार केजरीवाल** नवगछिया, भागलपुर, बिहार	**श्री नवीन कुमार केजरीवाल** नवगछिया, भागलपुर, बिहार	**श्री विनीत कुमार जालान** नवगछिया, भागलपुर, बिहार
श्री किशन कुमार डोकानिया नवगछिया, भागलपुर, बिहार	**श्री प्रमोद कुमार केडिया** नवगछिया, भागलपुर, बिहार	**श्री विकाश कुमार चिरानियाँ** नवगछिया, भागलपुर, बिहार	**श्री अशोक कुमार सराफ** नवगछिया, भागलपुर, बिहार	**श्री अशोक कुमार सराफ** नवगछिया, भागलपुर, बिहार
श्री अंकुश कुमार केडिया नवगछिया, भागलपुर, बिहार	**श्री श्रीधर कुमार** नवगछिया, भागलपुर, बिहार	**श्री मुकेश कुमार अग्रवाल** नवगछिया, भागलपुर, बिहार	**श्री मनीष कुमार चिरानियाँ** नवगछिया, भागलपुर, बिहार	**श्री संदीप कुमार झुनझुनवाला** मंदरोजा लेन, भागलपुर, बिहार
श्री पवन कुमार शर्मा मारवाड़ी टोला लेन, भागलपुर, बिहार	**श्री आशिष शर्मा** सराय चौक, भागलपुर, बिहार	**श्री कृष्णा कुमार टिबड़ेवाल** आर.पी. रोड, भागलपुर, बिहार	**श्री जगदीश कुमार डोकानियाँ** खलीफाबाग चौक, भागलपुर, बिहार	**श्री सुमित जिलोका** खलीफाबाग चौक, भागलपुर, बिहार
श्री रवि कुमार केडिया खलीफाबाग चौक, भागलपुर, बिहार	**श्री बिपुल साह** डॉ. आर.पी. रोड, भागलपुर, बिहार	**श्री प्रमोद कुमार पोद्दार** डॉ. आर.पी. रोड, भागलपुर, बिहार	**श्री सुनिल कुमार झुनझुनवाला** डॉ. आर.पी. रोड, भागलपुर, बिहार	**श्री गौरव सरावगी** एम.पी. द्विवेदी रोड, भागलपुर, बिहार
श्री संजय खेतान डॉ. आर.पी. रोड, भागलपुर, बिहार	**श्री प्रजेश कुमार लोहारुका** कलाली गली, भागलपुर, बिहार	**श्री अनिल कुमार केडिया** हार्ड वूड्स लेन, भागलपुर, बिहार	**श्री सुनिल साह** कलाली गली, भागलपुर, बिहार	**डॉ. मनोज कुमार सिंघानियाँ** खरमनचौक, भागलपुर, बिहार
प्रो. जगदीश प्रसाद शर्मा सुजागंज, भागलपुर, बिहार	**श्री मनोज चुड़िवाला** सुजागंज, भागलपुर, बिहार	**श्री सुमित कुमार तोदी** डी.एन. सिंह रोड, भागलपुर, बिहार	**श्री राधे श्याम तुलस्यान** तातारपुर रोड, भागलपुर, बिहार	**श्री अंकित बाजोरिया** नाथनगर, भागलपुर, बिहार
श्री सोहन लाल गोयनका लहेरिया टोला, भागलपुर, बिहार	**श्री राज कुमार केजरीवाल** खलीफाबाग, भागलपुर, बिहार	**श्री संतोष कुमार केडिया** खलीफाबाग, भागलपुर, बिहार	**श्री गोविन्द साबू** खलीफाबाग, भागलपुर, बिहार	**श्री संदीप कुमार डोकानियाँ** खलीफाबाग चौक, भागलपुर, बिहार
श्री सुनिल कुमार दारुका डी.एन. सिंह रोड, भागलपुर, बिहार	**श्री दीपक कुमार सुल्तानियाँ** खरमनचक, भागलपुर, बिहार	**श्री दीपक कुमार सुल्तानियाँ** खरमनचक, भागलपुर, बिहार	**प्रो. निधी कुमार** मुण्डीचक, भागलपुर, बिहार	**श्री प्रशांत बाजोरिया** तीनकठीया गली, भागलपुर, बिहार
श्री अंकित कुमार लाखोटिया स्टेशन रोड, भागलपुर, बिहार	**श्री अनिल कुमार खेतान** चुनीहारी टोला, भागलपुर, बिहार	**श्री अजय कुमार डोकानियाँ** गोपाल लाल लेन, भागलपुर, बिहार	**श्री सुनिल कुमार लाठ** डॉ. आर.पी. रोड, भागलपुर, बिहार	**श्री गौरव बंसल** डॉ. आर.पी. रोड, भागलपुर, बिहार
श्री राहुल मेहरिया जयराम मारवाड़ी लेन, भागलपुर, बिहार	**श्री निरंजन कुमार डोकानियाँ** सखीचंद कटरा, भागलपुर, बिहार	**श्री अभिषेक बाजोरिया** आनंद अस्पताल रोड, भागलपुर, बिहार	**श्री पियुष जाजोदिया** सुजागंज बजार, भागलपुर, बिहार	**श्री रवि कुमार टिबड़ेवाल** मुण्डीचक, भागलपुर, बिहार
श्री अनिल कुमार खेमका खरमनचक, भागलपुर, बिहार	**श्री मनीष जैन** सुजागंज, भागलपुर, बिहार	**श्री मनोज कुमार खबरीया** हंडियापट्टी, भागलपुर, बिहार	**श्री चिन्टु कुमार अग्रवाल** सुजागंज, भागलपुर, बिहार	**श्री अमित कुमार झुनझुनवाला** मंदरोजा चौक, भागलपुर, बिहार
श्री विवेक अग्रवाल स्टेशन रोड, भागलपुर, बिहार	**श्री अनिल कडेल** सोनापट्टी, भागलपुर, बिहार	**श्री रवि प्रकाश खेतान** चुनीहारी टोला, भागलपुर, बिहार	**श्री संजय किशोरपुरिया** डी.एन. सिंह रोड, भागलपुर, बिहार	**श्री मुकेश कुमार जैन** मारवाड़ी टोला लेन, भागलपुर, बिहार

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

आजीवन सदस्य

श्री राजेश शर्मा डी.एन. सिंह रोड, भागलपुर, बिहार	**श्री महेश कुमार सिंघानियाँ** चुनीहारी टोला, भागलपुर, बिहार	**श्री सुनिल कुमार खेमका** डी.एन. सिंह रोड, भागलपुर, बिहार	**श्री अमर कुमार अग्रवाल** डी.एन. सिंह रोड, भागलपुर, बिहार	**श्री राज कुमार सिंघानियाँ** डी.एन. सिंह रोड, भागलपुर, बिहार
श्री निर्मल कुमार सिंघानियाँ डी.एन. सिंह रोड, भागलपुर, बिहार	**श्री आशीष कुमार सराफ** सुजागंज, भागलपुर, बिहार	**श्री कन्हैया लाल अग्रवाल** मारवाड़ी टोला, भागलपुर, बिहार	**श्री सज्जन कुमार राय** छोटीहाटी, भागलपुर, बिहार	**श्री उमा नाथ जोशी** सुजागंज, भागलपुर, बिहार
श्री भरत कुमार खेतान गुरुद्वारा रोड, भागलपुर, बिहार	**श्री ऋषभ बाजोरिया** डी.एन. सिंह रोड, भागलपुर, बिहार	**श्री राहुल खेमका** खरमनचक, भागलपुर, बिहार	**श्री विकास कुमार सोंथलिया** एक्जीबीशन रोड, पटना, बिहार	**श्री अमर नाथ शर्मा** बंगाली बाजार, सहरसा, बिहार
श्री गौरव कुमार दहलान गांधीपथ, सहरसा, बिहार	**श्री बिष्णु कुमार** दहलान रोड, सहरसा, बिहार	**श्री प्रिंस दहलान** वार्ड नं. २०, सहरसा, बिहार	**श्री गौतम दहलान** दहलान गली, मधेपुरा, बिहार	**श्री अमित कुमार सर्राफ** जीवन सदन रोड, मधेपुरा, बिहार
श्री कौशल कुमार सर्राफ जीवन सदन रोड, मधेपुरा, बिहार	**श्री अमित सर्राफ** मेन रोड, मधेपुरा, बिहार	**श्री विकास सराफ** विधापुरी मोहल्ला, मधेपुरा, बिहार	**श्री अशोक कुमार सर्राफ** चंदा सिनेमा रोड, मधेपुरा, बिहार	**श्री विक्की कुमार सुल्तानियाँ** कर्पूरी चौक, मधेपुरा, बिहार
श्री ललित कुमार सुल्तानियाँ मेन रोड, मधेपुरा, बिहार	**श्री विजय कुमार जैन** बिहारीगंज, मधेपुरा, बिहार	**श्री सुनिल कुमार अग्रवाल** बिहारीगंज, मधेपुरा, बिहार	**श्री सज्जन कुमार अग्रवाल** बिहारीगंज, मधेपुरा, बिहार	**श्री राजेश कुमार साह** बिहारीगंज, मधेपुरा, बिहार
श्री विजय कुमार अग्रवाल बाँगड़ एवेन्यु, कोलकाता	**श्री विष्णु अग्रवाल** २३, सी.आर. एवेन्यु, कोलकाता	**श्री दिपक कुमार गाड़ोदिया** ठाकुरबाड़ी रोड, सुपौल, बिहार	**श्री संजीत अग्रवाल** डी.बी. रोड, सहरसा, बिहार	**श्री मनोज पगड़िया** ३१, शरत बोस रोड, कोलकाता
श्री नवीन कुमार जैन ५, मैंगो लेन, कोलकाता	**श्री नवरतन कोचर** पालकी बाजार, बर्द्धमान, प.बं.	**श्री पवन अग्रवाल** ३७२, बी.सी. रोड, बारानगर, कोलकाता	**श्री प्रदीप कुमार अग्रवाल** सेवोक रोड, सिलीगुड़ी, प.बं.	**श्री प्रह्लाद राय अग्रवाल** २, इंडिया एक्सचेंज प्लेस, कोलकाता
श्री पुरुषोत्तम कुमार अग्रवाल सेवोक रोड, सिलीगुड़ी, प.बं.	**श्री राज कुमार अग्रवाल** ८३, जी.टी. रोड, हवड़ा, प.बं.	**श्री राजेन्द्र प्रसाद धानुका** १८, ब्रिटिश इंडिया स्ट्रीट, कोलकाता	**श्री रमेश अग्रवाल** गोपालपुर, बर्द्धमान, प.बं.	**श्री रमेश कुमार सुरेका** ६१, पाथुरिया घाट स्ट्रीट, कोलकाता
श्री रवि अग्रवाल २३, सी.आर. एवेन्यु, कोलकाता	**श्रीमती बबीता दारुका** उल्लास, जलपाईगुड़ी, प.बं.	**श्रीमती संगीता केजरीवाल** जी.टी. रोड, जलपाईगुड़ी, प.बं.	**श्रीमती सुनीता बजाज** जलपाईगुड़ी, प.बं.	**श्री सुरज सराफ** खुदीराम पल्ली, सिलीगुड़ी, प.बं.
श्री सुरेश कुमार अग्रवाल एम.जी. रोड, उत्तर दिनाजपुर, प.बं.	**श्री मनोज कुमार अग्रवाल** बिहारीगंज, मधेपुरा, बिहार	**श्री श्याम सुन्दर सोमानी** बिहारीगंज, मधेपुरा, बिहार	**श्री कमल कुमार परवारी** बिहारीगंज, मधेपुरा, बिहार	**श्री भानवर्धन** बिहारीगंज, मधेपुरा, बिहार
श्री हरि प्रसाद बिहारीगंज, मधेपुरा, बिहार	**श्री शम्भु कुमार सर्राफ** बिहारीगंज, मधेपुरा, बिहार	**श्री राजेन्द्र प्रसाद अग्रवाल** बिहारीगंज, मधेपुरा, बिहार	**श्री राम कुमार डागा** बिहारीगंज, मधेपुरा, बिहार	**श्री सज्जन कुमार अग्रवाल** बिहारीगंज, मधेपुरा, बिहार
श्री अरूण कुमार भालोटिया पिपलतल, पटना, बिहार	**श्री ओम प्रकाश लोहिया** बख्तियारपुर, पटना, बिहार	**श्री पुरूषोत्तम लाल लोहिया** बख्तियारपुर, पटना, बिहार	**श्री संतोष कुमार लोहिया** बख्तियारपुर, पटना, बिहार	**श्री पंकज कमलिया** वारिसलीगंज, नवादा, बिहार
श्री मनीष कुमार बिहारीगंज, मधेपुरा, बिहार	**श्री ओमप्रकाश मुँधड़ा** बिहारीगंज, मधेपुरा, बिहार	**श्री गोपाल सर्राफ** मुरलीगंज, मधेपुरा, बिहार	**श्री बिनोद बाफना** मुरलीगंज, मधेपुरा, बिहार	**श्री राम गोपाल अग्रवाल** मुरलीगंज, मधेपुरा, बिहार
श्री बजरंग कुमार मुरलीगंज, मधेपुरा, बिहार	**श्री अशोक प्रसाद अग्रवाल** मुरलीगंज, मधेपुरा, बिहार	**श्री श्याम लाल सोनी** मुरलीगंज, मधेपुरा, बिहार	**प्रो. इंद्र चंद जैन बोथरा** मुरलीगंज, मधेपुरा, बिहार	**श्री सुरज कुमार** मुरलीगंज, मधेपुरा, बिहार
श्री सुनिल अग्रवाल मुरलीगंज, मधेपुरा, बिहार	**श्री बलराम अग्रवाल** मुरलीगंज, मधेपुरा, बिहार	**श्री श्याम कुमार शर्मा** मुरलीगंज, मधेपुरा, बिहार	**श्री सुमित कुमार** मुरलीगंज, मधेपुरा, बिहार	**श्री घनश्याम अग्रवाल** मुरलीगंज, मधेपुरा, बिहार
श्री बबलु कुमार शर्मा मुरलीगंज, मधेपुरा, बिहार	**श्री अंकित कुमार** मुरलीगंज, मधेपुरा, बिहार	**श्री राजु कुमार अग्रवाल** मुरलीगंज, मधेपुरा, बिहार	**श्री प्रदीप अग्रवाल** मुरलीगंज, मधेपुरा, बिहार	**श्री पारस सराफ** मुरलीगंज, मधेपुरा, बिहार
श्री दिलीप अग्रवाल पुरानी बाजार, मधेपुरा, बिहार	**श्री निरव कुमार** पुरानी बाजार, मधेपुरा, बिहार	**श्री गौरव कुमार** पुरानी बाजार, मधेपुरा, बिहार	**श्री पवन कुमार केडिया** पुरानी बाजार, मधेपुरा, बिहार	**श्री सुभाष कुमार अग्रवाल** पुरानी बाजार, मधेपुरा, बिहार
श्री नारायण कुमार चौधरी पुरानी बाजार, मधेपुरा, बिहार	**श्री ओम प्रकाश अग्रवाल** पुरानी बाजार, मधेपुरा, बिहार	**श्री ललित कुमार** पुरानी बाजार, मधेपुरा, बिहार	**श्री गौरव कुमार** पुरानी बाजार, मधेपुरा, बिहार	**श्री आयुष कुमार केडिया** पुरानी बाजार, मधेपुरा, बिहार

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

आजीवन सदस्य

श्री रितेश कुमार केडिया पुरानी बाजार, मधेपुरा, बिहार	**श्री पंकज कुमार सुल्तानियाँ** पुरानी बाजार, मधेपुरा, बिहार	**श्री कैलाश कुमार सुल्तानियाँ** पुरानी बाजार, मधेपुरा, बिहार	**श्री राज कुमार अग्रवाल** पुरानी बाजार, मधेपुरा, बिहार	**श्री संजय कुमार खेमका** पुरानी बाजार, मधेपुरा, बिहार
श्री शुभम कुमार पुरानी बाजार, मधेपुरा, बिहार	**श्री सुबोध कुमार** पुरानी बाजार, मधेपुरा, बिहार	**श्री प्रमोद साह** पुरानी बाजार, मधेपुरा, बिहार	**श्री मनीष कुमार पालरीवाल** पुरानी बाजार, मधेपुरा, बिहार	**श्री आदित्य रंजन** पुरानी बाजार, मधेपुरा, बिहार
श्री सुशील कुमार सुल्तानियाँ पुरानी बाजार, मधेपुरा, बिहार	**श्रीमती ममता अग्रवाल** त्रिवेणीगंज, सुपौल, बिहार	**श्री सज्जन कुमार केजरीवाल** त्रिवेणीगंज, सुपौल, बिहार	**श्रीमती रेखा देवी** त्रिवेणीगंज, सुपौल, बिहार	**श्री प्रमोद कुमार केजरीवाल** त्रिवेणीगंज, सुपौल, बिहार
श्रीमती दिप्ती देवी त्रिवेणीगंज, सुपौल, बिहार	**श्री सुधीर कुमार अग्रवाल** त्रिवेणीगंज, सुपौल, बिहार	**श्रीमती चंदा देवी** त्रिवेणीगंज, सुपौल, बिहार	**श्रीमती सुनिता देवी** त्रिवेणीगंज, सुपौल, बिहार	**श्री पवन कुमार अग्रवाल** त्रिवेणीगंज, सुपौल, बिहार
श्री दीपक कुमार केजरीवाल त्रिवेणीगंज, सुपौल, बिहार	**श्रीमती चेतना केजरीवाल** त्रिवेणीगंज, सुपौल, बिहार	**श्री पंकज कुमार** त्रिवेणीगंज, सुपौल, बिहार	**श्री संदीप कुमार केजरीवाल** त्रिवेणीगंज, सुपौल, बिहार	**श्रीमती सोनम केजरीवाल** त्रिवेणीगंज, सुपौल, बिहार
श्री सुरेश कुमार अग्रवाल त्रिवेणीगंज, सुपौल, बिहार	**श्रीमती सुनिता देवी** त्रिवेणीगंज, सुपौल, बिहार	**श्री महावीर सराफ** त्रिवेणीगंज, सुपौल, बिहार	**श्रीमती मीना देवी** त्रिवेणीगंज, सुपौल, बिहार	**श्री अविनाश कुमार अग्रवाल** त्रिवेणीगंज, सुपौल, बिहार
श्रीमती स्वेता अग्रवाल त्रिवेणीगंज, सुपौल, बिहार	**श्री महेश कुमार सर्राफ** त्रिवेणीगंज, सुपौल, बिहार	**श्री संजय कुमार अग्रवाल** त्रिवेणीगंज, सुपौल, बिहार	**श्रीमती सरोज अग्रवाल** त्रिवेणीगंज, सुपौल, बिहार	**श्री पवन कुमार अग्रवाल** त्रिवेणीगंज, सुपौल, बिहार
श्रीमती निलम केजरीवाल त्रिवेणीगंज, सुपौल, बिहार	**श्रीमती मीरा अग्रवाल** त्रिवेणीगंज, सुपौल, बिहार	**श्री मनोज अग्रवाल** त्रिवेणीगंज, सुपौल, बिहार	**श्रीमती मधु देवी** त्रिवेणीगंज, सुपौल, बिहार	**श्रीमती नीलम भरतिया** त्रिवेणीगंज, सुपौल, बिहार
श्री सुशील कुमार केजरीवाल त्रिवेणीगंज, सुपौल, बिहार	**श्री दीपक कुमार अग्रवाल** त्रिवेणीगंज, सुपौल, बिहार	**श्रीमती रितु देवी** त्रिवेणीगंज, सुपौल, बिहार	**श्री प्रह्लाद शर्मा** त्रिवेणीगंज, सुपौल, बिहार	**श्री अजय कुमार जैन** त्रिवेणीगंज, सुपौल, बिहार
श्रीमती पूजा कुमारी त्रिवेणीगंज, सुपौल, बिहार	**श्री श्याम सुन्दर शर्मा** त्रिवेणीगंज, सुपौल, बिहार	**श्री राजेश कुमार बुधिया** त्रिवेणीगंज, सुपौल, बिहार	**श्री संजय कुमार सुमन** त्रिवेणीगंज, सुपौल, बिहार	**श्री शम्भु दयाल चोखानी** त्रिवेणीगंज, सुपौल, बिहार
श्री रामौतार अग्रवाल त्रिवेणीगंज, सुपौल, बिहार	**श्री मनीष कुमार चोखानी** त्रिवेणीगंज, सुपौल, बिहार	**श्री राजेश कुमार बंसल** त्रिवेणीगंज, सुपौल, बिहार	**श्री अनिल कुमार** त्रिवेणीगंज, सुपौल, बिहार	**श्री दिलीप कुमार अग्रवाल** त्रिवेणीगंज, सुपौल, बिहार
श्री राजेश कुमार अग्रवाल त्रिवेणीगंज, सुपौल, बिहार	**श्रीमती सरीता अग्रवाल** त्रिवेणीगंज, सुपौल, बिहार	**श्रीमती कांता देवी** त्रिवेणीगंज, सुपौल, बिहार	**श्री प्रह्लाद ठाकुर** त्रिवेणीगंज, सुपौल, बिहार	**श्री टेकचंद जोटकी** त्रिवेणीगंज, सुपौल, बिहार
श्री बिनोद कुमार शर्मा त्रिवेणीगंज, सुपौल, बिहार	**श्रीमती बॉबी शर्मा** त्रिवेणीगंज, सुपौल, बिहार	**श्री नरेश कुमार** त्रिवेणीगंज, सुपौल, बिहार	**श्री मानक कुमार जैन** त्रिवेणीगंज, सुपौल, बिहार	**श्रीमती स्वेता गोयल** त्रिवेणीगंज, सुपौल, बिहार
श्री राजीव रंजन शर्मा त्रिवेणीगंज, सुपौल, बिहार	**श्री नवीन कुमार पंसारी** त्रिवेणीगंज, सुपौल, बिहार	**श्री महेश अग्रवाल** त्रिवेणीगंज, सुपौल, बिहार	**श्री राजेश कुमार अग्रवाल** त्रिवेणीगंज, सुपौल, बिहार	**श्री सुनील कुमार अग्रवाल** त्रिवेणीगंज, सुपौल, बिहार
श्री गिरीधारी लाल चमड़िया चौक बजार, मुंगेर, बिहार	**श्री संदीप कुमार अग्रवाल** बंका बाजार, मुंगेर, बिहार	**श्री संजीव कुमार बघेरिया** बंकापुर, मुंगेर, बिहार	**श्री मोहित कुमार** बाटा चौक, मुंगेर, बिहार	**श्री प्रवीण कुमार मोरे** लॉ रोड, गया, बिहार
श्री पुनीत कुमार मोरे के.पी. रोड, गया, बिहार	**श्री बिनोद कुमार धानुका** वाजीर अली रोड, गया, बिहार	**श्री मनोज कुमार धानुका** वाजीर अली रोड, गया, बिहार	**श्री अमित कुमार अग्रवाल** गांधी मैदान, गया, बिहार	**श्री प्रमोद कुमार जसराजपुरिया** टोकरी रोड, गया, बिहार
श्री कन्हैया लाल यादुका नवगछिया, भागलपुर, बिहार	**श्री कमल कुमार टिबड़ेवाल** नवगछिया, भागलपुर, बिहार	**श्री पंकज टिबड़ेवाल** नवगछिया, भागलपुर, बिहार	**श्री प्रमोद कुमार चिरानियाँ** नवगछिया, भागलपुर, बिहार	**श्री सज्जन कुमार शर्मा** नवगछिया, भागलपुर, बिहार
श्री रवि प्रकाश नवगछिया, भागलपुर, बिहार	**श्री बजरंग लाल पारीक** किशनगंज, बिहार	**श्री राकेश जैन** तिरुपती कम्पलेक्स, किशनगंज, बिहार	**श्री मनीष जैन** कालटेक्स चौक, किशनगंज, बिहार	**श्री आनंद मारू** महावीर मार्ग, किशनगंज, बिहार
श्री मनोज कुमार जालान महावीरगंज, किशनगंज, बिहार	**श्री राज कुमार भैया** सौदागर पट्टी रोड, किशनगंज, बिहार	**श्री पंकज अग्रवाल** पश्चिम पल्ली, किशनगंज, बिहार	**श्री जय जालान** गांधी चौक, किशनगंज, बिहार	**श्री राजु अग्रवाल** कॉटेक्स चौक, किशनगंज, बिहार

RAMKRISHNA FORGINGS LIMITED

RAMKRISHNA FORGINGS LIMITED (RKFL) is India's Second biggest and leading Integrated Forging cum Machining Company. RKFL have Closed Die Forging Hammers, Upsetters, Ring Rolling & Press Lines from 2000 to 12500 Tons. RKFL is a supplier of major OEM's, Tier 1, suppliers globally for Automotive, Mining, Earth Moving, Oil & Gas, Railways and General Engineering Industries.

The Company is accredited with IATF 16949, ISO 14001 (EMS), OSHAS 18001, AS9100D and Testing Laboratories are NABL accredited (ISO/IEC 17025:2005). Its Corporate Office is located is Kolkata & Facilities are in Jamshedpur.

RKFL's product is exported to North America, South America, Europe, Australia, UK, Turkey and Asian Countries.

Regd. & Corporate Office:

23, Circus Avenue, 9th Floor,
Kolkata – 700 017, West Bengal, India.
Office phone : +(91) 033 4082 0900 / 7122 0900
Email – info@ramkrishnaforgings.com
Web site – www.ramkrishnaforgings.com

Overseas Office at:

Detroit-USA, Toluca-Mexico, Istanbul-Turkey.

Plants at:

Plant I, III, IV, V, VI & VII at Jamshedpur, India
Plant: II at Liluah, Howrah, India

REGISTERED Postal Registration
No. KOLRMS/93/2021-2023
Date of Publication - 30th July 2021
RNI Regd. No. 2866/1968

From :
All India Marwari Federation
4B, Duckback House
41, Shakespeare Sarani, Kolkata-17
Phone : (033) 4004 4089
E-mail : aimf1935@gmail.com